हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 338 बेमेतरा, मंगलवार 04 अगस्त 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली समेत देश के कई इलाकों में सुबह-सुबह कांपी धरती

नईदिल्ली। दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में रविवार तड़के भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए. राहत की बात ये है कि इस भूकंप के बाद अभी तक कहीं से भी किसी प्रकार के जान या माल के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है. हालांकि भूकंप के बाद लोग जरूर सहम गए. दिल्ली में आए भूकंप का मुख्य केंद्र राजधानी का उत्तरी जिला रहा. जहां सुबह 2.9 तीव्रता का भूकंप आया. सबसे पहले तड़के राजधानी दिल्ली में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के मुताबिक, तड़के 4.14 बजे राजधानी दिल्ली में भूकंप आया. रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 2.9 दर्ज की गई. इस भूकंप का केंद्र राजधानी के उत्तरी जिला में जमीन के नीचे 8 किमी की गहराई में था. इस भूंकप से कही से भी किसी प्रकार का नुकसान की खबर सामने नहीं आई है. दिल्ली के बाद पूर्वोत्तर के राज्य असम के बरपेटा में भी भूकंप आया. एनसीएस के मुताबिक, ये भूकंप सुबह 5.25 बजे आया.

आंध्र प्रदेश के गोदावरी बेसिन में बाढ़ की स्थिति गंभीर

अमलापुरम। भारी बारिश के कारण गोदावरी बेसिन में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई, जिससे अधिकारियों को धवलेश्वरम बैराज पर दूसरी चेतावनी जारी करनी पड़ी. बैराज पर जलस्तर 13.75 फीट तक पहुंच गया, जिसके कारण अधिकारियों को सभी 175 गेट खोलने पड़े और लगभग 13 लाख क्यूसेक बाढ़ का पानी समुद्र में छोड़ा जा रहा है. जिससे निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति और गंभीर हो गई है. अंबेडकर कोनासीमा जिले के कई गांवों और नदी के किनारे बसे इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है. पानी का स्तर बढ़ने से सड़कें डूब गई हैं और कई गांवों का संपर्क टूट गया है. निचले इलाके अभी भी पानी में डूबे हुए हैं, जिससे लोगों को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है. अधिकारी चौबीसों घंटे निगरानी कर रहे हैं और बांध, पुलों, नदी के किनारे वाले इलाके और बाढ़ से प्रभावित इलाकों पर करीब से नजर रख रहे हैं. उन जगहों पर खास ध्यान दिया जा रहा है जहां बाढ़ की स्थिति और खराब होने की संभावना है.

नाबालिग पर सीटी मारना और हाथ खींचना यौन हमला नहीं

चेन्नई। मद्रास हाई कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि किसी नाबालिग लड़की द्वारा सीटी बजाने को नजरअंदाज करने के बाद जबरन उसका हाथ खींचना यौन उत्पीड़न के दायरे में आता है। उसे यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत यौन हमला नहीं माना जा सकता है। कोर्ट ने यह फैसला मार्च 2020 की एक घटना के लिए विशेष पॉक्सो अदालत द्वारा दोषी ठहराए गए मंदाई उर्फ मनोगरन की अपील पर सुनवाई के दौरान दिया। यह घटना 1 मार्च, 2020 को घटी, जब मनोगरन ने अपनी बालकनी से नाबालिग लड़की पर सीटी बजाई, जब वह अपनी चाची के घर जा रही थी।

बांकीपुर में प्रशांत किशोर की प्रचंड जीत, मांजलपुर में बीजेपी ने मारी बाजी; दतिया में कांग्रेस का कब्जा

भाजपा का 30 साल का गढ़ 30 दिनों में ढह-प्रशांत किशोर

बिहार की बांकीपुर, मध्य प्रदेश की दतिया और गुजरात की मंजलपुर विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे सामने आ गए हैं। बिहार में जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भाजपा के गढ़ बांकीपुर में 18,953 वोटों से ऐतिहासिक जीत दर्ज की। मध्य प्रदेश के दतिया में कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने भाजपा के आशुतोष तिवारी को 6,016 वोटों से हराया, जबकि गुजरात की मंजलपुर सीट पर भाजपा के सतीश (सतेन्द्रभाई) पटेल ने कांग्रेस प्रत्याशी को 30,630 वोटों के बड़े अंतर से मात दी। राजधानी पटना की सबसे चर्चित बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने जीत हासिल कर ली है। अब वे बांकीपुर के विधायक बन गए हैं। 28वें राउंड की गिनती के बाद प्रशांत किशोर को कुल 59,213 वोट मिले। बीजेपी के नीरज सिन्हा से वह 19,419 वोटों आगे हैं, वहीं, अब महज 3 राउंड की गिनती बाकी है, जिसमें इस आकड़े को पार करना संभव नहीं है। इसके साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की इस सीट पर बीजेपी को बड़ी और बुरी हार का सामना करना पड़ा है। गौरतलब है कि नितिन नबीन के राज्यसभा जाने के बाद खाली हुए इस सीट पर उपचुनाव हुआ है। इससे पहले वे यहां से लगातार 5 बार के विधायक रह चुके हैं। 28वें राउंड तक किसे कितने वोट मिले ? जन सुराज के प्रशांत किशोर को 59,213 वोट मिले। भाजपा के नीरज सिन्हा को 39,794 वोट मिले। राजद की रेखा गुप्ता

की 13,260 वोट मिले। बता दें कि बांकीपुर उपचुनाव के लिए कुल 25 उम्मीदवार मैदान में थे। हालांकि चुनाव में जन सुराज, बीजेपी और राजद के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने की उम्मीद की जा रही थी। लेकिन चुनाव के नतीजों को देखें तो यह कहना गलत नहीं होगा का बांकापुर का यह उपचुनाव तीन नहीं बल्की जन सुराज और बीजेपी दो दलों के बीच ही था। राजद की रेखा गुप्ता को इस चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा है। बांकीपुर उपचुनाव में जीत हासिल करने के साथ ही प्रशांत किशोर ने बीजेपी के उस भ्रम को भी तोड़ दिया, जिसे लेकर सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा था कि बांकीपुर से यदि कुत्ते बिल्ली को भी टिकट दे दिया जाए तो यहां से बीजेपी की ही जीत होगी। गौरतलब है कि बीजेपी सांसद के इस बयान को लेकर पीके चुनाव प्रचार के दौरान लगातार भाजपा पर हमलावर थे, जिसका असर नतीजों में भी देखने को मिला है। प्रशांत किशोर की जीत पर पटना स्थित कार्यालय से लेकर सड़कों तक पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी जश्न का माहौल देखने को मिल रहा है। समर्थक और कार्यकर्ता एक-दूसरे को पीले रंग का गुलाल लगाकर, मिठाइयां बांटकर और ढोल-नगाड़े की थाप पर नाचते हुए अपनी खुशी का इजहार कर रहे हैं। इस दौरान 'बांकीपुर का बेटा कैसा हो, प्रशांत किशोर जैसा हो' के नारे भी लगाए जा रहे हैं।

दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने जीत हासिल की

दतिया विधानसभा उपचुनाव में हार के बाद बीजेपी प्रत्याशी आशुतोष तिवारी का पहला बयान सामने आया है। आशुतोष तिवारी मतगणना स्थल पर पहुंचे और अपनी हार स्वीकार करते हुए मीडियाकर्मियों से कहा, यह जनादेश है और जनता के आदेश को हाथ जोड़कर स्वीकार करता हूं। हार के कारणों की समीक्षा की जाएगी। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने जीत हासिल की है और उन्हें 66,757 वोट मिले हैं। वहीं बीजेपी के आशुतोष तिवारी को 60,741 वोट मिले हैं। यानी कांग्रेस के प्रत्याशी ने बीजेपी को 6,016 वोटों से हराया है। एक और बड़ा अपडेट ये भी है कि दतिया में आजाद समाजवादी पार्टी (कांशीराम) के दामोदर यादव मंडल को भी 22,527 वोट मिले हैं।

सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

गालीबाज छात्रों को सामुदायिक सेवा करने का आदेश दें कोर्ट....

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर छात्रों द्वारा अभद्र भाषा और गाली-गलौज के इस्तेमाल को लेकर मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। एयरफोर्स के एक रिटायर्ड अधिकारी ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर मांग की है कि सोशल मीडिया पर अपशब्दों का इस्तेमाल करने वाले छात्रों को दंड स्वरूप सामुदायिक सेवा करने का आदेश दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई है और मामले की सुनवाई बुधवार को होगी। याचिका में 20 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए छात्र प्रदर्शन का उल्लेख किया गया है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' के नेतृत्व में आयोजित संसद मार्च के दौरान

प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी। पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया, जबकि कुछ प्रदर्शनकारियों पर पथराव करने का आरोप लगा। इस घटना में कई पुलिसकर्मी और प्रदर्शनकारी घायल हुए थे। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि ऐसे आयोजनों में हिंसा और भड़काऊ माहौल के लिए आयोजकों की जवाबदेही भी तय की जाए।

सावन का पहला सोमवार

हटकेश्वर नाथ मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब महाभंडारे में लाखो भक्तों ने किया प्रसाद ग्रहण

रायपुर। सावन के पहले सोमवार को राजधानी रायपुर के महादेव घाट स्थित हटकेश्वर नाथ मंदिर में बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे और पूजा-अर्चना कर परिवार की खुशहाली की कामना की. इस मौके पर मंदिर परिसर में ह्श्वङ्क्ष्स 24 मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ एवं लल्लूराम डॉट कॉम के डायरेक्टर अमित जैन और उनके साथियों ने विशाल महाभंडारा का आयोजन किया, जिसमें भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया. अमित जैन, नेहा जैन, निलेश गोयल, अजय अग्रवाल सहित कई सदस्यों ने सभी भक्तों को महाप्रसाद का वितरण किया. डायरेक्टर अमित जैन ने कहा कि पिछले कई वर्षों से महादेव घाट मंदिर में हम लोग पूजा-अर्चना

करते आ रहे हैं. सावन के पहले दिन हमने कहा था कि विशाल महाभंडारा कराएंगे, आज बड़ी संख्या में भक्तों ने महाभंडारे में प्रसाद ग्रहण किया. हम भगवान शिव से कामना करते हैं कि वह सभी भक्तों की मनोकामना पूरी करें. निलेश गोयल ने कहा कि सावन में जो व्रत किए हैं वो श्रद्धा से यहां आते हैं. भगवान शिव की कृपा से हमें पहले ही सावन सोमवार को भंडारा कराने का मौका मिल. सभी से सहयोग मिलेगा तो आगे भी हम अच्छे से कार्यक्रम करेंगे. अजय अग्रवाल ने बताया कि उद्देश्य बिल्कुल साफहै. हमारा इस मंदिर से विशेष लगाव है. सावन के पहले दिन हमारा मन था कि हम भंडारा कराएंगे, जिसका लाभ ज्यादा से ज्यादा लोग उठा सकें. प्रभु की कृपा हमारे ऊपर बनी रहे. यही हमारी शुभकामनाएं है. भंडारा करने का अवसर हमको पहली बार मिला है. मंदिर हम काफी सालों से आते रहे हैं.

आरोप साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं

महिला पहलवान यौन शोषण केस: बृजभूषण सिंह बरी.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

महिला पहलवानों द्वारा दर्ज कराए गए कथित यौन उत्पीड़न मामले में पूर्व भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को बृजभूषण शरण सिंह और सह-आरोपी विनोद तोमर को सभी आरोपों से बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष कानूनी मानकों के अनुरूप आरोप साबित करने में असफल रहा, इसलिए दोनों को संदेह का लाभ नहीं

बल्कि सबूतों के अभाव में बरी किया जाता है। यह महत्वपूर्ण फैसला 2 जुलाई 2026 को दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद आया है। उस दिन अदालत ने इस मामले में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। जनवरी 2023 में सामने आए इस बहुचर्चित मामले में कुल 1,133 दिनों के भीतर 127 बार सुनवाई की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। कोर्ट के इस फैसले पर देश भर की निगाहें टिकी हुई थीं। गौरतलब है कि मई 2024 में अदालत ने पूर्व ङ्खस्नढ्ढ प्रमुख और पूर्व बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आपराधिक धमकी देने के मामले में आरोप तय करने का निर्देश दिया था। हालांकि, उस दौरान कुल छह शिकायतकर्ताओं में से एक महिला पहलवान की शिकायत के मामले में अदालत ने उन्हें आरोपमुक्त भी कर दिया था।

दिल्ली में सांसद पप्पू यादव ने लगाया चाकू से हमले का आरोप, पुलिस ने हमलावर को दबोचा

नईदिल्ली। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय लोकसभा सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के दिल्ली स्थित सरकारी आवास पर रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक अज्ञात युवक ने उन पर चाकू से हमला करने का प्रयास किया। चश्मदीदों और समर्थकों के अनुसार, जब सांसद मीडिया से मुखातिब थे, तभी एक शख्स अचानक पीछे से आया और उसने चाकू निकाल लिया। हालांकि, इस दौरान समर्थकों और पुलिस ने हमलावर को दबोच लिया। रिपोर्ट के अनुसार, यादव ने संसद परिसर में किए गए हालिया विरोध-प्रदर्शन और उसे लेकर उन पर लगाए जा रहे आरोपों पर सफाई देने के लिए प्रेस कांफ्रेंस बुलाई थी।

अनुराग ठाकुर-प्रवेश वर्मा को सुको से राहत

सुप्रीमकोर्ट ने वृंदा करात की रिव्यू पिटीशन को लौटाया...

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कथित हेट स्पीच मामले में भाजपा नेता अनुराग ठाकुर और प्रवेश वर्मा को राहत बरकरार रखी है. सुप्रीम कोर्ट ने सीपीएम नेता वृंदा करात की 29 अप्रैल के फैसले पर रिव्यू पिटीशन को खारिज कर दिया, जिसमें अनुराग ठाकुर और प्रवेश वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी. उन्हें क्लीन चिट देने वाले फैसले के खिलाफ रिव्यू पिटीशन दायर की गई थी. कोर्ट ने एफआईआर की मांग को दोबारा सुनने से मना कर

दिया है. कोर्ट ने कहा था कि कानून में पहले से पर्याप्त व्यवस्था है. दोनों नेताओं के भाषणों के मामले में कोर्ट ने कहा था, 'रिकॉर्ड पर रखी गई सामग्री और स्टेटस रिपोर्ट हमने सावधानीपूर्वक विचार किया. सुप्रीम कोर्ट ने 2020 में दिए गए भाषणों को लेकर बीजेपी नेताओं अनुराग ठाकुर और प्रवेश वर्मा के खिलाफ एफआईआर की मांग को दोबारा सुनने से इनकार कर दिया है. हेट स्पीच के एक मामले में क्लीन चिट दिए जाने के फैसले के खिलाफ सीपीएम लीडर वृंदा करात सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं थीं, मगर बेंच ने उनकी पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी. जस्टिस विक्रम नाथ उर जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा था कि देश के गद्दारों को, गोली मारो सालों को जैसी बात कहने से किसी संज्ञेय अपराध का मामला नहीं बनता. कोर्ट ने कहा था,

जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल लोकसभा में बिना बहस के पास

सुप्रीम कोर्ट में अब 34 की जगह होंगे 38 जज...

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाले विधेयक बिल बिना बहस के लोकसभा की मंजूरी मिल चुकी है. लोकसभा ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने से जुड़े उच्चतम न्यायालय (संशोधन) विधेयक, 2026 को ध्वनिमत से पारित कर दिया. इसके तहत सीजेआई को छोड़कर सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने का प्रावधान है. अब सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश समेत कुल 38 जज काम कर सकेंगे. केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विधेयक को चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया. इस विधेयक का मकसद सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में संशोधन कर सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाना है. इससे से पहले दो बार स्थगन के बाद दोपहर 2 बजे सदन की कार्यवाही शुरू हुई. सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों के बढ़ते बोझ को कम करने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. नीट पेपर लीक और राम मंदिर में कथित चंदा चोरी को लेकर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के बीच लोकसभा में यह बिल बिना बहस के पास हो गया. संशोधन के तहत मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर अन्य न्यायाधीशों की अधिकतम संख्या 33 से बढ़ाकर 37 कर दी गई है. यह विधेयक मई 2026 में राष्ट्रपति की ओर से जारी किए गए अध्यादेश का स्थान लेगा. सरकार का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट में लगातार बढ़ रहे लंबित मामलों को देखते हुए

न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाना समय की जरूरत बन गई थी. सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या इससे पहले 2019 में बढ़ाई गई थी. तब सीजेआई को छोड़कर न्यायाधीशों की संख्या 30 से बढ़ाकर 33 की गई थी. केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि आजादी के बाद 1956 में पहली बार सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाकर 11 की गई थी. केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की संक्षिप्त शुरुआती टिप्पणी के बाद पीठासीन अधिकारी ने सदस्यों से वैधानिक प्रस्ताव पर बोलने का आग्रह किया लेकिन नारेबाजी जारी रहने के कारण बिल को मतदान के लिए रखा गया और बाद में पारित कर दिया गया। इससे पहले पिछले सप्ताह जन्म और मृत्यु पंजीकरण में संशोधन करने वाला एक बिल भी बिना किसी बहस के पारित किया गया था। सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन बिल, 2026 के पारित होने के बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। दो बार स्थगन के बाद दोपहर 2 बजे सदन की कार्यवाही शुरू हुई. केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विधेयक को चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया. इस दौरान कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों के सांसद राम मंदिर के कथित चढ़ावा गबन और दिल्ली में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर नारेबाजी करते रहे.

2019 के बाद दूसरी बार बढ़ी संख्या......

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या इससे पहले 2019 में बढ़ाई गई थी. तब सीजेआई को छोड़कर न्यायाधीशों की संख्या 30 से बढ़ाकर 33 की गई थी. मेघवाल ने बताया कि आजादी के बाद 1956 में पहली बार सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाकर 11 की गई थी. समय के साथ मामलों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अब एक बार फिर जजों की संख्या बढ़ाकर 38 करने का फैसला लिया गया है. सरकार की ओर से तर्क दिया जा रहा है कि इससे शीर्ष अदालत में मामलों के तेजी से निपटारे में मदद मिलेगा.

बेमेतरा में तीन दिवसीय प्रथम राज्य स्तरीय गतका प्रतियोगिता का भव्य समापन, विजेताओं को किया गया सम्मान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कंतेली स्थित स्वामी विवेकानंद इंडोर स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय प्रथम छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय गतका प्रतियोगिता का रविवार को भव्य समापन हुआ। 31 जुलाई से 2 अगस्त तक आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेश के पांच जिलों के 180 से अधिक खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा रहे। उनके साथ विकास तम्बोली, गौरव साहू, निखिल साहू सहित सिख समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का आयोजन नेशनल गतका एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष हरजीत सिंह गरेवाल एवं न्यू गतका स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह 'छोटू' के मार्गदर्शन में बेमेतरा जिला गतका स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष जगजीत सिंह और सचिव अजय वर्मा के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।समारोह में मुख्य अतिथि विजय सिन्हा ने अंडर-14,

अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग के विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।प्रतियोगिता के परिणामों में महिला वर्ग में दुर्ग ने प्रथम, रायपुर ने द्वितीय तथा बेमेतरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं बालक वर्ग में रायपुर प्रथम, दुर्ग द्वितीय और बेमेतरा तृतीय स्थान पर रहा।अपने संबोधन में विजय सिन्हा ने कहा कि गतका केवल एक पारंपरिक खेल नहीं, बल्कि गुरु साहिबान द्वारा प्रदत्त महान युद्धकला है, जो अन्याय के विरुद्ध खड़े होने, मानवता की रक्षा करने तथा युवाओं को शारीरिक, मानसिक और आत्मिक रूप से सशक्त बनाने का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि प्राचीन सिख मार्शल आर्ट के रूप में गतका आज राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना चुका है और विशेष रूप से युवाओं एवं बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा का प्रभावी माध्यम बन रहा है।उन्होंने खिलाड़ियों की खेल भावना, साहस और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए बेमेतरा में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए बेमेतरा जिला गतका स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष जगजीत सिंह, सचिव अजय वर्मा एवं पूरी आयोजन समिति को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम के अंत में आयोजन समिति द्वारा मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, निर्णायकों (रेफरी), प्रशिक्षकों, मेडिकल टीम तथा आयोजन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी व्यक्तियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया और उनके प्रति आभार व्यक्त किया गया।इस अवसर पर जिला गतका स्पोर्ट्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष जसपाल सिंह चावला, संयुक्त सचिव देवेंद्र भात्रे, कोषाध्यक्ष कमल साहू सहित वेदराम साहू, दीपांकर मिर्झा, नेहा वर्मा, विकल्प शर्मा, साहिल बरगटे, आरुषि शर्मा, राजकुमारी चतुर्वेदी, भूमिका वर्मा, लक्की मानिकपुरी, चिराग वर्मा, मेघराज मिर्झा, टिकेश्वरी घृतलहरे एवं शशांक जाटव सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी, पदाधिकारी एवं खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

वेतन विसंगति और पदोन्नति को लेकर मुखर हुआ राजस्व पटवारी संघ, शासन को दी आंदोलन की चेतावनी

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ कांकेर राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ की जिला शाखा उत्तर बस्तर कांकेर ने पटवारियों की लंबे समय से चली आ रही वेतन विसंगतियों और रुकी हुई पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर शासन-प्रशासन के खिलाफ गहरा असंतोष व्यक्त किया है। संघ ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए स्पष्ट रूप से चेतावनी दी है कि यदि उनकी न्यायोचित मांगों पर शीघ्र ही कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो पटवारी वर्ग मजबूर होकर उग्र आंदोलन का रास्ता अपनाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। पटवारी संघ द्वारा शासन को प्रेषित ज्ञापन में बताया गया है कि प्रदेश के विभिन्न भर्ती बैचों के पटवारियों के वेतन निर्धारण में गंभीर विसंगतियां व्याप्त हैं। संघ के पदाधिकारियों ने वेतन संरचना में मौजूद खामियों का उदाहरण देते हुए बताया कि वर्ष 2010 भर्ती बैच में 1 जुलाई 2025 की स्थिति में ग्रेड पे 2200

रुपये से 2400 रुपये होने पर मूल वेतन 36,200 रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि ग्रेड पे 2800 होने पर मूल वेतन 35,300 रुपये निर्धारित कर दिया गया है। यह स्थिति वेतन संरचना के मूल सिद्धांतों के बिल्कुल विपरीत है, क्योंकि ग्रेड पे में वृद्धि होने पर मूल वेतन का कम होना किसी भी दृष्टिकोण से न्यायोचित नहीं है। इसके अतिरिक्त, संघ ने इस बात पर भी कड़ी आपत्ति जताई है कि एक ही भर्ती बैच में और एक ही तिथि पर नियुक्त हुए पटवारियों का अलग-अलग तहसीलों में वेतन निर्धारण अलग-अलग किया गया है, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था में एकरूपता पूरी तरह समाप्त हो गई है। इन विसंगतियों के कारण प्रदेश भर के पटवारियों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। वेतन विसंगति से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के कारण कोष एवं लेखा सत्यापन में लगातार कठिनाइयां आ रही हैं और पटवारियों पर अनावश्यक रिकवरी की तलवार लटक रही है।

अभाजपा प्रदेश कार्यालय में लगा सहयोग केंद्र, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने किया संवाद

सहयोग केंद्र में लगभग 300 कार्यकर्ता पहुँचे

रायपुर/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में सोमवार को 'सहयोग केंद्र' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने उपस्थित रहकर कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कर आवेदनों पर सार्थक व समाधानकारी पहल की।सहयोग केंद्र में प्रदेशभर से लगभग 300 कार्यकर्ता पहुंचे। इस दौरान 100 के करीब आवेदन प्राप्त हुए। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने संबंधित अधिकारियों को इन आवेदनों के त्वरित व पारदर्शी निराकरण के

निर्देश दिए।इस दौरान भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र कुमार वर्मा एवं सहयोग केंद्र प्रभारी सच्चिदानंद उपासने विशेष रूप से मौजूद रहे। इस मौके पर मंत्री खुशवन्त साहब ने कहा कि सहयोग केंद्र का मुख्य उद्देश्य शासन और संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है, ताकि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं और राहत का लाभ पहुँच सके।

सहारा निवेशकों की 5 सूत्रीय मांगों को लेकर एकदिवसीय हड़ताल संपन्न,कार्यवाही नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी

रायगढ़/मूक पत्रिका

सहारा इंडिया में वर्षों से फंसी जमा पूंजी की वापसी की मांग को लेकर जिले के निवेशकों ने शनिवार को एकदिवसीय हड़ताल एवं धरना-प्रदर्शन किया। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में निवेशक एकत्र हुए और सरकार एवं प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए जल्द भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की। आंदोलन का नेतृत्व नरेश कंकरवाल ने किया।प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जीवनभर की मेहनत की कमाई सहारा इंडिया में जमा करने के बावजूद आज तक उन्हें उनकी राशि वापस नहीं मिल सकी है, जिससे हजारों परिवार आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं।धरना स्थल पर

लगाए गए बैनरों और पोस्टरों के माध्यम से निवेशकों ने अपनी मांगों को प्रमुखता से रखा। वक्ताओं ने कहा कि वर्षों से लगातार ज्ञापन, प्रदर्शन और धरना दिए जा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है। कई निवेशकों ने अपनी पीड़ा साझा करते हुए कहा कि बच्चों की पढ़ाई, बेटी की शादी, इलाज और अन्य जरूरी कार्यों के लिए जमा की गई राशि फंसी हुई है, जिससे परिवारों की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। धरना कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि यदि शीघ्र भुगतान की दिशा में प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार से निवेशकों के हित में तत्काल हस्तक्षेप करने तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की।

ये रहीं आंदोलनकारियों की 5 प्रमुख मांगें

आंदोलनकारियों ने प्रशासन एवं सरकार के समक्ष पांच सूत्रीय मांगें रखीं। इनमें सहारा इंडिया के समस्त मैनेजरों एवं एजेंटों की संपत्ति कुर्क करने, एजेंट जयप्रकाश शर्मा एवं संतोष सिंह को तत्काल गिरफ्तार करने, रायगढ़ जिले के सभी निवेशकों का लंबित भुगतान तुरंत कराने, जिला प्रशासन द्वारा एक विशेष शिविर लगाकर निवेशकों की जमा रसीदों का सत्यापन एवं आंकड़ों का संकलन करने तथा कोतवाली पुलिस द्वारा फर्जी खाते खोलने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई कर निवेशकों की राशि वापस दिलाने की मांग शामिल है।

रेडक्रास गतिविधियों को बढ़ाने प्रदेश में हुई बैठक सभापति शत्रुहन सिंह साहू हुए शामिल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी राज्य शाखा रायपुर के द्वारा जिला चेयरमेन एवं जिला सचिवों का बैठक रेडक्रॉस भवन कलेक्ट्रेट रायपुर में आयोजित किया गया द्य महामहिम राज्यपाल रमेन डेका के मार्गदर्शन में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता तोमन साहू चेयरमेन रायपुर ने किया। बैठक में प्रदेश से सभी जिलों के सभापति एवं मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा किया गया ब्लड स्टोरेज सेंटर, रेडक्रॉस कार्यालय, जे आर सी को मजबूती प्रदान करने महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया द्य 13 अगस्त को ऑर्गन डोनर सम्मान राजभवन रायपुर में आयोजित किया गया है। इस अवसर पर चेयरमेन तोमन साहू, वाइस चेयरमेन रूपेश पाणिग्रही, संजय पटेल कोषाध्यक्ष, शत्रुहन सिंह साहू चेयरमेन इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी बेमेतरा, ऑर्गन डोनर समिति के चेयरमेन रोशन वर्मा , बालाराम साहू वाईस चेयरमेन रक्तदान उपसमिति रायपुर, विक्रांत सिंह चेयरमेन खैरागढ़, प्राप्ति वासनी चेयरमेन धमतरी, डॉ अमृत लाल जी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बेमेतरा सहित प्रदेश भर से पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नक्सली हिंसा से प्रभावित 27 हितग्राहियों को 1.02 करोड़ की आर्थिक सहायता

- 14 मृतकों के परिजनों और 13 घायल व दिव्यांग पीड़ितों को पुनर्वास नीति के तहत मिलेगी राहत

बीजापुर /मूक पत्रिका

बीजापुर नक्सली हिंसा से प्रभावित परिवारों और पीड़ितों के पुनर्वास के लिए जिला प्रशासन ने 1 करोड़ 2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। कलेक्टर विश्वदीप ने छत्तीसगढ़ नक्सलवाद पुनर्वास नीति के तहत नक्सली हिंसा में मृत 14 आम नागरिकों के निकटतम वारिसों और गंभीर रूप से घायल अथवा स्थायी रूप से दिव्यांग हुए 13 पीड़ितों को सहायता राशि मंजूर की है। सभी हितग्राहियों के बैंक खातों में राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जाएगी।

प्रशासन के अनुसार नक्सली

हिंसा में जान गंवाने वाले 14 नागरिकों के निकटतम वारिसों को नियमानुसार 5-5 लाख रुपए की दर से कुल 70 लाख रुपए की सहायता प्रदान की जाएगी। इनमें स्व. माड़वी देवा, स्व. कुंजाम नंगा, स्व. माड़वी सोमडू, स्व. करतम देवा, स्व. पोयाम काया, स्व. माड़वी गंगा, स्व. वेको संदीप उर्फ देवा, स्व. सुन्नम समैया, स्व. लालचंद वाचम, स्व. सोमा कुरसम, स्व. माड़वी छन्नु, स्व. आयतु धुरवा, स्व. ईरमा कवासी और स्व. भीमा मड़कम के निकटतम वारिस शामिल हैं।इसके अलावा 13 घायल एवं स्थायी दिव्यांग पीड़ितों के लिए कुल 32 लाख रुपए की सहायता स्वीकृत की गई है। इनमें पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ के दौरान क्रॉस फायरिंग में घायल नंदू ओयाम और जिला कुंजाम, माओवादियों की मारपीट में घायल ईस्ता बोर्रा, बारूदी सुरंग विस्फोट में घायल मितराम रावटे, आईईडी विस्फोट में घायल कोरसे संतोष, चिड़ेम कन्हैया, कविता कुड़ियम, माओवादियों की मारपीट से स्थायी दिव्यांग हुए इच्चामी सुदरू, तथा आईईडी विस्फोट में गंभीर रूप से घायल अथवा दिव्यांग हुए राममूर्ति कारम, बबलू उर्फ मोहन कड़ती, गंगा कलमू, राजेश कुमार यादव और सोढ़ी मुकेश शामिल हैं।कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि स्वीकृत सहायता राशि का भुगतान शीघ्र डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से हितग्राहियों के बैंक खातों में सुनिश्चित किया जाए, जिससे प्रभावित परिवारों को समय पर आर्थिक सहायता मिल सके।

नवपदस्थ लवन थाना प्रभारी अश्वनी सिन्हा ने संभाला पदभार, कहा– पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाना होगी प्राथमिकता

बलौदाबाजार/मूक पत्रिका

ताराचंद कठोत्रे । लवन थाना के नवपदस्थ थाना प्रभारी अश्वनी सिन्हा ने विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को त्वरित एवं निष्पक्ष न्याय दिलाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा तथा अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करेगी। थाना प्रभारी श्री सिन्हा ने कहा कि आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाएगा तथा प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने लोगों

से पुलिस का सहयोग करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर अपराधमुक्त एवं सुरक्षित वातावरण बनाने का प्रयास किया जाएगा। क्षेत्रवासियों ने नवपदस्थ थाना प्रभारी का स्वागत करते हुए उनसे निष्पक्ष एवं प्रभावी पुलिस व्यवस्था की अपेक्षा जताई।

भुवनेश्वर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 2 घंटे 30 मिनट विलंब से पहुंची, यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा पर उठे सवाल

रायगढ़ में फिर मालगाड़ियों को प्राथमिकता, आउटर में घंटों खड़ी रही सुपरफास्ट ट्रेन, उत्कल एक्सप्रेस की चाल भी नहीं सुधरी

रायगढ़/मूक पत्रिका

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायगढ़ स्टेशन पर मालगाड़ियों को प्राथमिकता दिए जाने का आरोप एक बार फिर सामने आया है। शनिवार देर रात स्टेशन प्रबंधन की कार्यप्रणाली के कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। आरोप है कि मालगाड़ियों की आवाजाही को प्राथमिकता देने के चलते ट्रेन क्रमांक 12879 भुवनेश्वर सुपरफास्ट एक्सप्रेस को रायगढ़ स्टेशन के आउटर पर काफी देर तक रोककर रखा गया, जिससे ट्रेन अपने निर्धारित समय से करीब ढाई घंटे विलंब से स्टेशन पहुंची। जानकारी के अनुसार, भुवनेश्वर सुपरफास्ट एक्सप्रेस के रायगढ़ पहुंचने का निर्धारित समय रात 10:05 बजे है। चांपा से लगभग एक घंटे की देरी से चलने के कारण यात्रियों को उम्मीद थी कि ट्रेन करीब 11:05 बजे तक रायगढ़ पहुंच जाएगी। लेकिन स्टेशन में प्रवेश की अनुमति नहीं मिलने के कारण ट्रेन को रायगढ़ आउटर पर रोक दिया गया और अंततः यह रात

12:35 बजे स्टेशन पहुंच सकी। इस प्रकार ट्रेन निर्धारित समय से लगभग ढाई घंटे विलंब से रायगढ़ पहुंची।सूत्रों के मुताबिक, जिस समय सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्टेशन पहुंचने वाली थी, उस दौरान रेलवे प्रशासन मालगाड़ियों के परिचालन को प्राथमिकता दे रहा था। इसी वजह से यात्री ट्रेन को आउटर सिग्नल पर रोककर इंतजार कराया गया। यात्रियों का कहना है कि यदि ट्रेन अपनी गति से चलकर समय पर रायगढ़ पहुंच सकती थी, तो स्टेशन में प्रवेश नहीं मिलने के कारण हुई यह अतिरिक्त देरी पूरी तरह परिचालन व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।रेलवे विशेषज्ञों का मानना है कि देर रात किसी भी एक्सप्रेस या सुपरफास्ट ट्रेन को लंबे समय तक आउटर पर खड़ा रखना केवल यात्रियों की असुविधा का विषय नहीं है, बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से भी गंभीर चिंता का विषय है। आउटर पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने की स्थिति में यात्रियों को लूटपाट, छीना-झपटी, असामाजिक तत्वों की गतिविधियों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा संबंधी जोखिम, अचानक स्वास्थ्य खराब होने पर चिकित्सा सहायता मिलने में विलंब तथा आपातकालीन परिस्थितियों में राहत कार्य प्रभावित होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा बार-बार होने वाली ऐसी देरी से यात्रियों की आगे की कनेक्टिंग ट्रेनें और अन्य यात्रा कार्यक्रम भी प्रभावित होते हैं।

जवाबदेही से बचते है जिम्मेदार

इस मामले में रायगढ़ रेलवे प्रबंधन से संपर्क करने का प्रयास किया गया। हालांकि कुछ जिम्मेदार अधिकारी इस विषय पर स्पष्ट जवाब देने से बचते नजर आए, जबकि कुछ अधिकारियों ने परिचालन संबंधी निर्णयों का हवाला देते हुए इसकी जिम्मेदारी बिलासपुर रेल मंडल के निर्देशों पर डाल दी। ऐसे में वास्तविक स्थिति क्या है और यात्री ट्रेनों की अपेक्षा मालगाड़ियों को प्राथमिकता देने की नीति किन परिस्थितियों में अपनाई जाती है, इसका स्पष्ट जवाब दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों से ही मिल सकता है।

उत्कल एक्सप्रेस की चाल भी नहीं सुधरी

यात्री ट्रेनों की लेटलतीफी का सिलसिला यहीं नहीं रुका। ट्रेन क्रमांक 18478 उत्कल एक्सप्रेस भी रविवार को अपनी निर्धारित समय-सारिणी से काफी पीछे चलती रही। इस ट्रेन के रायगढ़ पहुंचने का निर्धारित समय दिन में 11:30 बजे है, लेकिन शाम 6:15 बजे तक भी ट्रेन स्टेशन नहीं पहुंच सकी। इसी प्रकार ट्रेन क्रमांक 22844 बिलासपुरङ्कपटना (बक्सर मार्ग) एक्सप्रेस को दोपहर 3:00 बजे तक रायगढ़ पहुंचना था, लेकिन यह भी शाम 6:00 बजे तक ही स्टेशन पहुंच सकी। लगातार विलंब से चल रही यात्री ट्रेनों ने एक बार फिर रेलवे की परिचालन व्यवस्था और समयपालन पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अब एक पोर्टल पर ही उपलब्ध होंगे विभागीय उपलब्धि व महत्वपूर्ण आंकडे, पीएम गतिशक्ति योजना अंतर्गत पोर्टल जागरूकता प्रशिक्षण सम्पन्न

बलौदाबाजार/मूक पत्रिका

ताराचंद कठोत्रे/ प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना जिला मास्टर प्लान अंतर्गत जागरूकता पोर्टल उपयोग सुनिश्चित करने एवं क्षमता निर्माण हेतु एक दिवसीय जागरूकता प्रशिक्षण का आयोजन सोमवार को संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया।कलेक्टर कुलदीप शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित प्रशिक्षण में सभी विभाग प्रमुख सम्मिलित हुए। पीएम गति शक्ति योजना अंतर्गत राज्य शासन द्वारा विकसित पोर्टल के माध्यम से लॉग -इन कर सभी विभागों में संचालित योजनाओं की उपलब्धि एवं अन्य महत्वपूर्ण आंकड़े प्राप्त किये जा सकेंगे। कलेक्टर श्री शर्मा ने इस पोर्टल के सम्बन्ध में विशेष रूप से राजस्व, वन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वस्थ्य, महिला एवं बाल विकास,लोक निर्माण, स्कूल शिक्षा एवं खाद्य विभाग के अधिकारियो को जिला स्तरीय जानकारी अद्यतन करने के निर्देश दिये । उन्होंने इस पोर्टल का उपयोग कर सभी विभागों को बेहतर समन्वय करने कहा । उन्होंने प्रशिक्षण टीम से जिले में केस स्टडी के रूप में बलौदाबाजार बायपास सड़क निर्माण के लिये अधिग्रहित किये जाने वाले भूमि की जानकारी व नक्शा उपब्लध कराने कहा। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग से उपसंबालक, उद्योग संचालनालय सुश्री मौसमी राहा ने पीपीटी प्रेजेटेशन के माध्यम से योजना की जानकारी एवं पोर्टल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना का उद्देश्य देश में विभिन्न अवसंरचना परियोजनाओ की योजना, समन्वय एवं क्रियान्वयन को अधिक प्रभावी एवं त्वरित बनाना है। इस योजना के अंतर्गत स्टेट मास्टर प्लान एवं जिला मास्टर प्लान एवं विकसित किया गया है,जिसमें विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों के डेटा को एकीकृत कर ज़ी आई एस आधारित पोर्टल पर उपलब्ध कराया गया है।प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना के अंतर्गत डिस्ट्रिक्ट मास्टर प्लान का मुख्य उद्देश्य जिला स्तर पर विकास कार्यों को समेकित, सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाना है। जिले स्तर पर उपलब्ध संसाधनों एवं आवश्यकताओं के आधार पर प्राथमिकता निर्धारण करते हुए योजनाओं का क्रियान्वयन करना है। प्रशिक्षण में सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल,सीएमएचओ डॉ. राजेश अवस्थी, महाप्रबंधक जिला उद्योग एवं व्यापार गुनेश्वरी साहु सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

आत्मानंद विद्यालय अंतागढ़ में यातायात जागरूकता अभियान, सड़क सुरक्षा नियमों की दी गई विस्तृत जानकारी

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ कांकेर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और विद्यार्थियों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कांकेर पुलिस द्वारा सोमवार को आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, अंतागढ़ में विशेष यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों तथा राहवीर योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल एवं योगेश कुमार साहू के मार्गदर्शन तथा उप पुलिस अधीक्षक डॉ. मेखलेन्द्र प्रताप सिंह के पर्यवेक्षण में आयोजित किया गया। यातायात प्रभारी दीपक साहू एवं यातायात पुलिस की टीम ने विद्यार्थियों को सुरक्षित यातायात के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने, तेज गति एवं लापरवाही से वाहन नहीं चलाने, नशे की हालत में वाहन चलाने के दुष्परिणाम, ट्रैफिक सिग्नलों एवं सड़क संकेतों के पालन, ज़ेब्रा क्रॉसिंग के उपयोग तथा नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने से जुड़े कानूनी प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई। जागरूकता कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए सड़क सुरक्षा पर आधारित प्रेरणादायक वीडियो भी प्रदर्शित किए गए, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को सुरक्षित यातायात के व्यवहारिक पहलुओं एवं सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम में अपनी भूमिका समझाई गई। इस दौरान राहवीर योजना की जानकारी देते हुए बताया गया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाने वाले नागरिक को शासन द्वारा 25,000 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। साथ ही आपातकालीन सेवा डायल-112 की कार्यप्रणाली और दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित उपचार उपलब्ध कराने की प्रक्रिया से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने स्वयं यातायात नियमों का पालन करने तथा अपने परिवार, मित्रों और समाज के अन्य लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

सावन के पहले सोमवार को शिवालयों में भक्तों की भीड़

रायगढ़/मूक पत्रिका

सावन के पहले सोमवार को शिवालयों में भक्तों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। हर-हर महादेव के उदघोषों के बीच श्रद्धालुओं ने शिवलिंग में जलाभिषेक कर सुख समृद्धि की कामना की, सुबह से ही देवालयों और शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही, श्रद्धालुओं ने गंगाजल, दूध, दही से शिवलिंग का जलाभिषेक किया। इस दौरान बेलपत्र, चावल व पुष्प से भगवान शिव की पूजा कर मनोकामना मांगी। वही भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस जवान तैनात रहे, जिससे भक्तों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

बड़ी संख्या में उमड़ा जनसैलाब–सोमवार से श्रावण मास की शुरुआत हो गई है, सावन के पहले सोमवार को देवालय शिवालय में भक्त दर्शन करने के लिए सुबह से ही मालीडिपा तालाब के पास मंदिरों में पहुंचने शुरू हो गए, इससे पहले देवालय और शिवालयों को पूरी तरह से साफ-सफाई कर सुसज्जित कर दिया था। जिससे रुद्राभिषेक और जलाभिषेक करने वाले भक्तों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। सुबह से ही मालीडिपा महादेव मंदिर मे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ दर्शन करने पहुंची, इस दौरान हर हर महादेव की जयकारों से देवालय, शिवालय गूजते रहे, मंदिरों में पंडितों की मौजूदगी में शिव का महाभिषेक किया गय। महामृत्युंजय के जाप हुए तथा रुद्राभिषेक किया गया। वहीं सावन मास में शिव मंदिर में विशेष पूजा अर्चना का दौर चलता रहा, मंदिर में भोले बाबा के दर्शन करने के लिए सुबह से ही लंबी-लंबी लाइन लगी रही।

कलेक्टर ने ली प्राइवेट हॉस्पिटल संचालकों की बैठक, कलेक्टर द्वारा उच्च स्वास्थ्य सुविधा और योजनाओं का लाभ देने के निर्देश

कौशल विकास, आरसेटी और आईटीआई से युवाओं को निशुल्क प्रशिक्षण और रोजगार देने के निर्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

जिले के निजी हॉस्पिटल में हाईप्रेग्नेंसी से मातृ शिशु मृत्यु दर कम करने और कौशल विकास के तहत युवाओं को रोजगारमूलक प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी पद्मिनी भोई साहू ने जिले में संचालित सभी प्राइवेट हॉस्पिटल संचालकों का समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने हॉस्पिटल में जरूरत के स्टॉफ को प्रशिक्षण के साथ रोजगार देने के लिए स्वास्थ्य विभाग और कौशल विकास विभाग द्वारा जिले के बेरोजगार युवाओं को निशुल्क प्रशिक्षण देने पर बात हुई। कलेक्टर ने निजी हॉस्पिटल संचालकों से उनके हॉस्पिटल में हाईप्रेग्नेंसी से मातृ शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए अच्छी स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के निर्देश दिए। इसी प्रकार कलेक्टर ने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ नागरिकों को तत्काल पर देने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने डिप्टी कलेक्टर ऋचा सिंह को कौशल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की आरसेटी संस्था सारंगढ़ और जिले के आईटीआई सारंगढ़, सरिया तथा भटगांव से जिले के इच्छुक बेरोजगार युवाओं को मनवांछित रोजगारमूलक तकनीकी, मेडिकल और अन्य कम्प्यूटर कोर्स उपलब्ध कराने के लिए निशुल्क प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। साथ ही जिले के हॉस्पिटल, औद्योगिक और प्राइवेट अन्य संस्थानों में आवश्यकता अनुसार रोजगार देने के लिए पहल करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि कौशल विकास विभाग द्वारा जिले के 8वी, 10वी, 12वी पास युवाओं को जनरल नर्सिंग असिस्टेंट, टैली और डीटीपी कम्प्यूटर कोर्स सहित अन्य प्रकार के आजीविकामूलक निशुल्क ट्रेनिंग दी जाती है। बैठक में डिप्टी कलेक्टर ऋचा सिंह, सीएमएचओ डॉ पुष्पेंद्र वैष्णव, निजी हॉस्पिटल के प्रतिनिधिगण, कौशल विकास से पुरुषोत्तम स्वर्णकार, लीलाधर अजगल्ले उपस्थित थे।

अजय बार्वे बने नगर पंचायत लवन के

बलौदाबाजार/मूक पत्रिका

ताराचंद कठोत्रे/नगर पंचायत लवन के अजय बार्वे, महामंत्री, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लवन को विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में हर्ष का माहौल है। अजय बार्वे ने अपनी नियुक्ति पर विधायक एवं पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं जनसेवा की भावना के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने नगर पंचायत क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देने तथा आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए लगातार प्रयासरत रहने का विश्वास दिलाया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अजय बार्वे को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की

सारंगढ़ कलेक्ट्रेट कैंपस में कलेक्टर ने किया 'बिहान कैंटीन' का शुभारंभ

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर कार्यालय परिसर सारंगढ़ में सोमवार को बिहान की स्व- सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित 'बिहान कैंटीन' का शुभारंभ कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने फीता काटकर एवं पूजा- अर्चना के साथ उद्घाटन किया। इस दौरान कलेक्टर और अतिथियों ने कैंटीन के गैस चूल्हे को जलाकर और व्यंजन उत्पाद पकाने की शुरुआत बिहान दीदियों के साथ की। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ऋषिकेश तिवारी और गणमान्य नागरिक ज्योति लाल पटेल ने कैंटीन से छत्तीसगढ़ी पारंपरिक व्यंजन ठेठरी, खुर्मी एवं अइरसा का ऑर्डर दिया तथा डिजिटल माध्यम से भुगतान कर महिलाओं को डिजिटल लेन-देन अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) में शामिल जय माँ शारदा स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा यह कैंटीन संचालित की जाएगी।

इसका उद्देश्य कलेक्ट्रेट आने जाने वालों को चाय नाश्ता उपलब्ध कराना और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना, स्थानीय पारंपरिक व्यंजनों को बढ़ावा देना तथा उन्हें स्थायी स्वरोजगार उपलब्ध कराना है। बिहान कैंटीन में स्थानीय एवं पारंपरिक व्यंजनों की विविध श्रृंखला उपलब्ध रहेगी, जिनमें ठेठरी, खुर्मी, अइरसा, फरा, बड़ा, भजिया, मुंगौड़ी, कटलेट, अंकुरित चना, आलू पराठा, पनीर पराठा, चीला, भेल, चाय, कॉफी सहित अन्य स्वादिष्ट छत्तीसगढ़ी व्यंजन शामिल हैं। सभी खाद्य पदार्थ बिहान की महिलाओं द्वारा स्वच्छता एवं गुणवत्ता के साथ तैयार किए जाएंगे। कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर वर्षा बंसल, पंचायत के बिहान से संजू पटेल, स्व-सहायता समूह की महिलाएं तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रायगढ़ के चर्चित नकली शराब केस में बड़ा मोड़: विनय सिंह ठाकुर को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

रायगढ़/मूक पत्रिका

थाना कोतरा रोड के चर्चित नकली शराब केस में फरार मुख्य आरोपी विनय सिंह ठाकुर को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। अदालत ने अगले आदेश तक कोई भी कार्रवाई करने पर रोक लगा दी है। 8 जून की रात्रि रायगढ़ पुलिस एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम धनागर में संचालित नकली शराब के नेटवर्क का पर्दाफाश किया था। कार्रवाई के दौरान 869 नग विभिन्न पैमानों की लगभग 240 लीटर नकली शराब, स्प्रिट के ड्रम, फर्जी लेबल, नकली होलोग्राम, ढक्कन तथा शराब निर्माण एवं पैकेजिंग में प्रयुक्त सामग्री बरामद की गई थी। मामले में दो आरोपी दुष्यंत पटेल और सुभाष पटेल को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में दुष्यंत ने अपने भाई सुभाष पटेल तथा विनय सिंह ठाकुर के साथ मिलकर लंबे समय से इस अवैध कारोबार का संचालन करना स्वीकार किया था। इसके बाद पुलिस ने फरार आरोपी सुभाष पटेल को उसके फार्म हाउस से गिरफ्तार किया था।

जांच में यह तथ्य सामने आया कि उस फार्म हाउस में भी बड़ी मात्रा में शराब का भंडारण हो रहा था। शराब में स्प्रिट मिलाकर मात्रा बढ़ाई जाती थी। इस मामले में विनय सिंह ठाकुर ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस नोन्गमेकपम कोटिस्वर सिंह की बेंच ने 29 जुलाई को विनय की याचिका पर आदेश जारी किया। अदालत ने कहा है कि अगले आदेश तक याचिकाकर्ता के विरुद्ध कोई भी कार्रवाई न की जाए।

पुलिस ने की थी सख्त कार्रवाई

नकली शराब के इस मामले में विनय ठाकुर को मुख्य आरोपी मानते हुए पुलिस ने कार्रवाई की। एसपी ने दस हजार रुपए का ईनाम भी घोषित किया था। संपत्ति कुर्की का भी नोटिस दिया गया। विनय ने हाईकोर्ट में जमानत की अर्जी लगाई थी जिसे चीफ जस्टिस ने खारिज कर दिया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में राहत मिली है।

दो लाख 35 हजार का मेंटेनेश भी न आया काम,गंदा पानी तालाब में मिलने से बढ़ा बीमारी का खतरा

छठ तालाब के सौंदर्यीकरण पर उठे सवाल: 55 लाख के निर्माण के बाद फिर ढही नाली

रायगढ़/मूक पत्रिका

नगर पंचायत किरोड़ीमल में विकास कार्यों की गुणवत्ता एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। नगर के आस्था के प्रमुख केंद्र छठ तालाब में करीब तीन वर्ष पूर्व लगभग 55 लाख रुपये की लागत से सौंदर्यीकरण एवं अन्य निर्माण कार्य कराए गए थे। लेकिन निर्माण कार्य की गुणवत्ता इतनी कमजोर साबित हुई कि चार माह पहले ही तालाब से जुड़ी जल निकासी नाली का एक हिस्सा ढह गया। इसके बाद नगर पंचायत ने 2.35 लाख रुपये की लागत से मरम्मत कार्य कराया, लेकिन यह मरम्मत भी टिकाऊ साबित नहीं हुई। अब दोबारा निर्माण में अनियमितता सामने आने से नाली का गंदा पानी सीधे तालाब में मिल रहा है, जिससे जल प्रदूषण के साथ संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। गौरतलब हो कि तालाब की वर्तमान स्थिति निर्माण कार्य की वास्तविकता को उजागर कर रही हैं। एक ओर नाली का क्षतिग्रस्त हिस्सा धंस चुका है, जिससे गंदा पानी सीधे तालाब में गिर रहा है। वहीं दूसरी ओर तालाब के किनारे बड़ी मात्रा में प्लास्टिक, घरेलू कचरा और अन्य अपशिष्ट जमा दिखाई दे रहे हैं। इससे न केवल तालाब का पानी दूषित हो रहा है, बल्कि पूरे क्षेत्र में दुर्गंध और मच्छरों के पनपने की आशंका भी बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आगामी दिनों में यह स्थिति गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है।छठ तालाब किरोड़ीमल नगर पंचायत के लोगों की धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है। हर वर्ष यहां छठ महापर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान सूर्य की आराधना करने पहुंचते हैं। ऐसे में तालाब में नाली का गंदा पानी मिलने और चारों ओर फैली गंदगी को लेकर लोगों में गहरी नाराजगी है। नागरिकों का कहना है कि जिस तालाब का सौंदर्यीकरण लाखों रुपये खर्च कर किया गया था, वही आज बदहाल स्थिति में पहुंच गया है। इससे सरकारी धन के उपयोग और निर्माण कार्य की गुणवत्ता दोनों पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं।नगर पंचायत अधिकारियों का कहना है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए निर्माण कार्य से जुड़े ठेकेदार और संबंधित इंजीनियर को नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। साथ ही क्षतिग्रस्त हिस्से के पुनर्निर्माण की बात भी कही जा रही है। हालांकि स्थानीय लोगों का मानना है कि केवल नोटिस जारी करने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि दोषियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई और गुणवत्तापूर्ण पुनर्निर्माण सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

क्या नोटिस का होगा असर

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि नगर पंचायत प्रशासन का नोटिस संबंधित ठेकेदार और इंजीनियर पर कितना प्रभाव डालता है। यदि समय रहते गुणवत्तापूर्ण मरम्मत और तालाब की साफ-सफाई नहीं कराई गई तो आने वाले छठ पर्व से पहले यह धार्मिक स्थल अव्यवस्था और प्रदूषण का शिकार बना रह सकता है।

क्या कहते है देवेंद्र सिंह चंदेल सी. एम. ओ.नगर पंचायत किरोड़ीमल नगर

इस संबंध में इंजीनियर और ठेकेदार को

संपादकीय

नीट पेपर लीक के बाद नई पहल-क्या अब प्रतियोगी परीक्षाओं में लौटेगा भरोसा?

अगर विद्यार्थियों ने सड़क पर उतरकर अपना आक्रोश जाहिर नहीं किया होता और उनके प्रति पुलिस के रुख की वजह से सरकार कठघरे में नहीं खड़ी होती, तो शायद एक बार फिर बात आई-गई हो जाती।कई बार किसी मुद्दे पर उठने वाले सवाल विवाद की शक्ल अख्तियार कर लेते हैं। मगर काफी जद्दोजहद के बाद जब उस पर सहमति के बिंदु बनने लगते हैं, तब आखिरकार अपने परिणाम में वही सवाल भविष्य के लिए सकारात्मक दिशा का संकेत बन सकते हैं।नीट 2026 के प्रश्नपत्र लीक होने की घटना निश्चित तौर पर सरकारी तंत्र की विफलता और लापरवाही का सबूत थी, लेकिन उससे ज्यादा चिंता की बात यह थी कि लाखों विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर सरकार बहुत ज्यादा फिक्रमंद नहीं दिखाई दे रही थी। इससे स्वाभाविक तौर पर विद्यार्थियों के बीच असंतोष और क्षोभ की भावना पैदा हुई और उसी को कॉकरोच जनता पार्टी नाम के एक नए बने समूह ने संगठित स्वर दिया।हालांकि इस मुद्दे पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन और खासतौर पर 'संसद मार्च' के आह्वान के दौरान विद्यार्थियों के खिलाफ पुलिस ने जिस स्तर का बल प्रयोग किया, उससे सरकार के रवैये पर तमाम सवाल उठे। विद्यार्थियों के शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन के दमन की कोशिश को संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकारों पर चोट की तरह देखा गया।अब विद्यार्थियों के उस आंदोलन के एक निष्कर्ष पर पहुंचने के बाद सरकार ने प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं को पूरी तरह रोकने के लिए 'लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' लाने की प्रक्रिया शुरू की है।मगर जरूरत इस बात की है कि देश भर में इस मुद्दे पर जिस तरह का विरोध और सरकार के रुख के प्रति असंतोष देखा गया, अगर उसके हल की कोई सूरत बन रही है, तो उसमें सभी पक्षों का सकारात्मक सहयोग सुनिश्चित हो। संशोधन विधेयक में प्रश्नपत्र लीक होने की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ने के लिए कई सख्त प्रावधानों की बात की गई है। इससे यह साफ है कि सरकार इस समस्या की गंभीरता को अब स्वीकार कर रही है।मगर यहीं इस बात की जरूरत है कि इससे संबंधित सभी पक्षों पर विपक्षी दलों की भी विस्तृत राय ली जाए और इस पर संसद में पर्याप्त बहस हो। दूसरी ओर, आंदोलन के बाद जिस तरह तत्कालीन शिक्षा मंत्री का इस्तीफा हुआ और सरकार ने अपने कदम पीछे खींचे, तो अब विपक्षी दलों की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि वे प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं पर लगाम लगाने की कोशिश में अपना सक्रिय और सकारात्मक सहयोग दें।सही है कि नीट 2026 का प्रश्नपत्र लीक होने की घटना कोई पहली बार नहीं हुई थी। इससे पहले भी कई बार प्रश्नपत्र लीक होने के वाकये सामने आ चुके हैं। मगर सरकार ने औपचारिक निर्देशों के अलावा इसे गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं समझी।

कारगिल के दुर्गम पर्वतों पर अदम्य साहस की अमर कहानी

(योगेश कुमार गोयल)

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था।

देश कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ मना रहा है। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को बुरी तरह धूल चटाई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच जम्मू कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ वह युद्ध 60 दिनों तक चला था और पाकिस्तान फौज की करारी शिकस्त के बाद 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ था। पाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई को 'कारगिल विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तानी सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन विजय' के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी। दरअसल उस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैंकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए थे बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए थे। इसीलिए भारतीय सेना की उस विजय के बाद सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 जुलाई को भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में कारगिल विजय दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। सही मायनों में कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके बलिदान को सम्मान देने का दिन है और 26 जुलाई का दिन विशेष रूप से देश के इन्हीं वीर सपूतों को समर्पित है। देश के जन-जन तक कारगिल युद्ध के इन्हीं नायकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा पहुंचाने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है।

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊंचाई पर लड़ा गया था, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित थी। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहूति देकर न केवल पाकिस्तान को उसकी असली औकात दिखाई बल्कि 700 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट भी उतारा। दुश्मन को रणनीतिक स्थानों से हटाने के लिए महत्वपूर्ण हवाई हमले करते हुए भारतीय वायुसेना ने उस युद्ध के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय सेना ने युद्ध के दौरान टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 सहित अन्य रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा कर लिया था।

कारगिल युद्ध की शुरूआत 26 मई 1999 को भारतीय सेना के हवाई हमले के साथ हुई थी। दरअसल भारतीय सेना को 3 मई 1999 को कारगिल में स्थानीय चरवाहों द्वारा पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था और उसके दो ही दिन बाद 5 मई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम 5 जवानों को मार डाला था। उसके बाद 10 मई 1999 को भारतीय सेना द्वारा 'ऑपरेशन विजय' की शुरूआत की गई। उस दौरान कारगिल में पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के गोला-बारूद भंडार को निशाना बनाया। 26 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर हवाई हमला किया। 27 मई को भारतीय वायुसेना का एक मिग-27 गिर गया, जिसमें चार क्रू सदस्यों की मौत हो गई लेकिन विमान से बाहर निकलने वाले पायलट को पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 मई 1999 को घोषणा की कि कारगिल में युद्ध जैसी स्थिति है, जिसके बाद अमेरिका, फ्रांस सहित कुछ देशों ने अगले ही दिन भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय सेना ने 5 जून 1999 को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए, जिनसे पूरी दुनिया के समक्ष पाकिस्तान की करतूत का खुलासा हुआ।

भारतीय सेना ने 9 जून 1999 को कारगिल के बटालिक सेक्टर में दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। अगले ही दिन पाकिस्तान ने जाट रेजिमेंट के 6 सैनिकों के शव क्षत-विक्षत हालत में भारत को लौटाए। 13 जून 1999 को भारत ने युद्ध की दिशा बदलते हुए महत्वपूर्ण टोलोलिंग चोटी पर भी कब्जा कर लिया और प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कारगिल का दौरा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 15 जून 1999 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटाने का आग्रह किया लेकिन पाकिस्तान ने उस अपील को अनसुना कर दिया। 11 घंटे के भीषण संघर्ष के बाद भारतीय सेना ने 20 जून 1999 को टाइगर हिल के पास प्वाइंट 5060 और प्वाइंट 5100 पर भी पुनः कब्जा कर लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 5 जुलाई 1999 को नवाज शरीफ से मुलाकात की, जिसके बाद पाकिस्तान ने कारगिल से पाकिस्तानी सैनिकों को हटाने की घोषणा की। 11 जुलाई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू किया और भारतीय सेना ने बटालिक की प्रमुख चोटियों पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने 14 जुलाई 1999 को 'ऑपरेशन विजय' की सफलता की घोषणा की और 26 जुलाई 1999 को वीर 527 सैनिकों की शहादत के बाद कारगिल युद्ध समाप्त हुआ।

बहुत ऊंचाई पर लड़े गए उस भीषण युद्ध के दौरान अपनी बहादुरी और साहसिक कार्यों के लिए कई सैन्य अधिकारी राष्ट्रीय नायक बन गए, जिनमें 13 जेएके राइफल्स के कैप्टन विक्रम बत्रा, 18 ग्रेनेडियर्स के ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, 1/11 गोरखा राइफल्स के लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, 18 ग्रेनेडियर्स के लेफ्टिनेंट बलवान सिंह, एएसपी, 2 राज आरआईएफ के कैप्टन एन केंगुरुसे प्रमुख रूप से शामिल हैं। युद्ध के दौरान भारत सेना के अनेक नायकों ने अपने प्राणों की आहुति इसीलिए दी ताकि पूरा देश चैन की नींद सो सके। कारगिल युद्ध में शौर्य और पराक्रम के लिए ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव तथा लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे को परमवीर चक्र और लेफ्टिनेंट बलवान सिंह को महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। कैप्टन एन केंगुरुसे को मरणोपरांत महावीर चक्र और कैप्टन विक्रम बत्रा को मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान कर उनकी शहादत का सम्मान किया। कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन विक्रम बत्रा के शब्द, 'ये दिल मांगे मोर' तो अब भी लोगों के कानों में गूंजते हैं। कारगिल युद्ध के ऐसे ही वीर नायकों की बहादुरी, साहस और जुनून की कहानियां आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में जोश भर देती हैं।(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

'जरासंध' की खुशी तात्कालिक है...

(प्रणय विक्रम सिंह)

इतिहास का सबसे बड़ा भ्रम यह है कि वह युद्धभूमि में दिखाई देने वाले दृश्य को ही अंतिम सत्य मान लेता है। किंतु भारत की सभ्यता ने कभी केवल दृश्य को सत्य नहीं माना। उसने परिणाम से पहले उद्देश्य को देखा, विजय से पहले धर्म को देखा और पराक्रम से पहले बुद्धि को स्थान दिया।

यही कारण है कि इस भूमि ने उस पुरुष को भी भगवान कहा, जिसे उसके विरोधियों ने कभी 'रणछोड़' कहकर उपहास का विषय बनाया था।

कितना विचित्र है कि जिन श्री कृष्ण को गीता के उपदेशक, धर्म के संस्थापक, महाभारत के सूत्रधार और अधर्म के अंत का नायक माना जाता है, उन्हीं कृष्ण के नाम के साथ 'रणछोड़' शब्द भी जुड़ा। यदि केवल तत्कालीन जनमत से इतिहास लिखा जाता, तो शायद लोग यही कहते कि कृष्ण युद्धभूमि छोड़कर भाग गए। जरासंध स्वयं भी शायद यही समझ बैठा होगा कि उसने अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी को पराजित कर दिया है। लेकिन इतिहास कभी तत्कालीन शोर से नहीं लिखा जाता। इतिहास समय की अग्नि में तपकर अपना निर्णय देता है।

भगवान श्री कृष्ण जानते थे कि प्रत्येक युद्ध रणभूमि में खड़े होकर नहीं जीता जाता। कभी-कभी एक कदम पीछे हटना ही अंतिम विजय की भूमिका बनता है। मथुरा से द्वारका का प्रस्थान 'पलायन' नहीं था, वह राष्ट्र, समाज और भविष्य की रक्षा के लिए लिया गया दूरदर्शी निर्णय था। उस समय जरासंध ने स्वयं को विजेता समझा होगा, पर इतिहास ने विजेता किसे माना? इतिहास ने रणछोड़दास को भगवान कहा, जरासंध को नहीं।

जरासंध की सबसे बड़ी भूल यह नहीं थी कि वह कृष्ण से लड़ता रहा। उसकी सबसे बड़ी भूल यह थी कि उसने हर बार पीछे हटते कृष्ण को पराजित समझ लिया। उसे दिखाई नहीं दिया कि कृष्ण युद्ध नहीं, समय चुन रहे हैं। यही कारण है कि उस दिन की जय-पराजय समय के साथ उलट गई। जरासंध अपने युग का विजेता कहलाया, लेकिन इतिहास का नायक नहीं बन सका। कृष्ण उस क्षण 'रणछोड़' कहे गए, किंतु काल ने उन्हें योगेश्वर के सिंहासन पर प्रतिष्ठित कर दिया।

भारत का दर्शन हमें सिखाता है कि पीछे हटना और हार जाना समानार्थी शब्द नहीं हैं। जो व्यक्ति अपने अहंकार की रक्षा के लिए समाज को संकट में डाल दे, वह विजेता होकर भी पराजित है। और जो व्यक्ति अपने सम्मान का त्याग करके समाज की रक्षा कर ले, वह तत्कालीन आलोचना झेलकर भी इतिहास में विजेता बनता है। इसी कारण इस देश ने श्री राम को वनवासी होकर भी मर्यादा पुरुषोत्तम कहा, श्री कृष्ण को रणछोड़ होकर भी भगवान कहा और छत्रपति शिवाजी महाराज की आगरा से रणनीतिक वापसी को कायरता नहीं, राष्ट्रनीति माना।

राजनीति में भी यही कसौटी लागू होती है। नेतृत्व का अर्थ केवल संघर्ष करना नहीं है। नेतृत्व का अर्थ यह भी है कि किस संघर्ष को कहां समाप्त करना है, किस विवाद को कितना बढ़ने देना है और किस क्षण स्वयं को पीछे करके राष्ट्रहित को आगे रखना है। जो राजनेता केवल इसलिए अड़ा रहे कि कहीं उसे झुकना न पड़ जाए, वह नेतृत्व नहीं कर रहा होता, वह अपने अहंकार की रक्षा कर रहा होता है। सच्चा नेतृत्व वह है, जो जानता है कि कब तलवार उठानी है और कब म्यान में रख देनी है।

आज जब हम केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को देखते हैं, तो उसे केवल एक राजनीतिक घटना के रूप में देखना पर्याप्त नहीं है। इस निर्णय के पीछे जो भी राजनीतिक परिस्थितियां रही हों, एक तथ्य स्पष्ट है कि उन्होंने पद को राष्ट्र से बड़ा नहीं माना। उन्होंने स्वयं को विवाद का केंद्र बनाए रखने के बजाय पद छोड़कर व्यवस्था को आगे बढ़ने का अवसर दिया। लोकतंत्र में इससे असहमति हो सकती है, लोग इसे अलग-अलग दृष्टि से देख सकते हैं, किंतु यह प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा कि यदि कोई नेता अपने पद से चिपका नहीं रहता, बल्कि परिस्थितियों को सामान्य बनाने के लिए पीछे हटता है, तो क्या उसे पराजित कह देना न्याय होगा?

केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में धर्मेंद्र प्रधान ने केवल एक मंत्रालय नहीं संभाला। नई शिक्षा नीति के माध्यम से भारतीय शिक्षा व्यवस्था को औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकालने, मातृभाषा को सम्मान दिलाने, भारतीय ज्ञान परंपरा को पुनः स्थापित करने और इतिहास के अनेक उपेक्षित अध्यायों को शिक्षा के मुख्य विमर्श में लाने का प्रयास किया। दशकों तक जिस शिक्षा व्यवस्था पर वैचारिक एकरूपता का आरोप लगता रहा, उसमें विविध भारतीय दृष्टियों के लिए स्थान बनाने का प्रयास हुआ। इस दिशा में स्वाभाविक रूप से मतभेद भी हुए और समर्थन भी मिला। शिक्षा पर बहस होनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति का सम्मान भी होना चाहिए। विद्यार्थी यदि अपनी पीड़ा व्यक्त करते हैं तो वह लोकतांत्रिक अधिकार है। परीक्षा व्यवस्था में यदि कमियां हैं तो उनका कठोर सुधार भी होना चाहिए।

धरती की चेतावनी को सुनिए, प्रकृति का धैर्य अब जवाब दे रहा है

(योगेश कुमार गोयल)

2020 में कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौर में पूरी दुनिया ने पहली बार प्रकृति को खुलकर मुस्कराते देखा था क्योंकि तब औद्योगिक इकाईयां, हवाई व रेल यात्राएं, बस यात्रा तथा निजी वाहनों का आवागमन बंद होने से हर तरह के प्रदूषण का स्तर पूर्ण रूप से नियंत्रित हो गया था।पूरी दुनिया में मौसम के तेजी से बिगड़ते मिजाज के कारण विभिन्न देशों में प्रकृति की मार अब स्पष्ट नजर आने लगी है। प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही परिणाम है कि अब हर साल देश के कई हिस्से भारी बारिश के कारण बाढ़ की वजह से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं जबकि कई हिस्से मानसून के दौरान भी पर्याप्त बारिश के लिए तरसते रह जाते हैं। इस वर्ष भी कुछ ऐसे ही हालात हैं। दुनिया के कई ठंडे इलाके अब ग्लोबल वार्मिंग के कारण तपने लगे हैं तो कई सूखे इलाके बाढ़ से त्रस्त हैं, जंगल झुलस रहे हैं। बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा जीव-जंतुओं की कई प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। पर्यावरण के तेजी से बदलते इस दौर में वैश्विक स्तर पर लोगों का ध्यान इन समस्याओं की ओर आकृष्ट करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 जुलाई को 'विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस' मनाया जाता है, जिसके माध्यम से वातावरण में हो रहे व्यापक बदलावों के चलते लगातार विलुप्ति के कगार पर पहुंच रही जीव जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों की रक्षा का संकल्प लिया जाता है। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को जागरूक करने के लिहाज से आज के समय में प्रकृति संरक्षण दिवस की महत्ता बढ़ गई है।

2020 में कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौर में पूरी दुनिया ने पहली बार प्रकृति को खुलकर मुस्कराते देखा था क्योंकि तब औद्योगिक इकाईयां, हवाई व रेल यात्राएं, बस यात्रा तथा निजी वाहनों का आवागमन बंद होने से हर तरह के प्रदूषण का स्तर पूर्ण रूप से नियंत्रित हो गया था। गंगा, यमुना जैसी जो पवित्र नदियां कई जगहों पर गंदे नालों की भांति बहती दिखाई देती थी, उनमें जल की निर्मल धारा बहने लगी थी। जिन नदियों को साफ करने के लिए पिछले कुछ दशकों में अनेक योजनाएं और समितियां बनी तथा नदियों की स्वच्छता के नाम पर अरबों-खरबों रुपये खर्च हो गए, लॉकडाउन के दौरान वे स्वतः ही स्वच्छ और निर्मल हो गई थी। पहली बार देखा गया था कि किस प्रकार लॉकडाउन के चलते लोगों के घरों में बंद रहने और सभी प्रकार के व्यावसायिक कार्य बंद हो जाने से हवा इतनी शुद्ध हो गई थी कि सैंकड़ों किलोमीटर दूर स्थित पर्वतों की चोटियां भी स्पष्ट दिखाई दी थी। जिन नन्हीं चिड़ियों की चहचहाहट को हमारे कान तरस गए थे, ब्रह्म मुहूर्त में उनकी मधुर आवाज फिर से सुनाई देनी लगी थी। प्रकृति के उस साफ-सुथरे स्वरूप को देखकर हर कोई खुश था। दरअसल प्रकृति को स्वयं अपनी मरम्मत करने और खुद को सजाने-संवारने का सुअवसर मिला था लेकिन इंसानी गतिविधियां पुनः शुरू होते ही प्रकृति के साथ निर्मम खिलवाड़ का वही दौर पुनः शुरू हो गया, जिसका परिणाम इस समय दुनिया के तमाम देश भुगत रहे हैं।

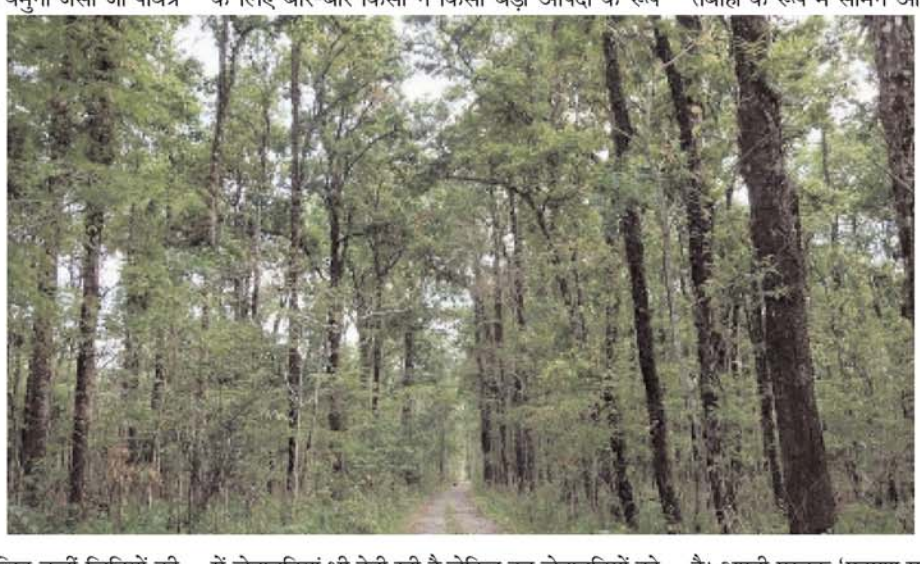

लॉकडाउन के दौर ने पूरी दुनिया को यह समझने का बेहतरीन अवसर दिया था कि इंसानी गतिविधियों के कारण ही प्रकृति का जिस बड़े पैमाने पर दोहन किया जाता रहा है, उसी के कारण स्वर्ग से भी सुंदर हमारी धरती कराहती रही है। प्रकृति मनुष्य को ऐसा न करने के लिए बार-बार किसी न किसी बड़ी आपदा के रूप में चेतावनियां भी देती रही है लेकिन उन चेतावनियों को सदा दरकिनार किया जाता रहा है। प्रकृति के साथ मानवीय छेड़छाड़ का ही नतीजा रहा है कि बीते कुछ वर्षों में मौसम चक्र में बदलाव स्पष्ट दिखाई दिया है। वर्ष दर वर्ष अब जिस प्रकार मौसम के बिगड़ते मिजाज के चलते समय-समय पर तबाही देखने को मिल रही है, ऐसे में हमें अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि मौसम चक्र के बदलाव के कारण प्रकृति संतुलन पर जो विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, उसकी अनदेखी के कितने भयावह परिणाम होंगे। प्रकृति बार-बार मौसम चक्र में बदलाव के संकेत, चेतावनी तथा संभलने का अवसर देती रही है लेकिन हम आदतन किसी बड़े खतरे के सामने आने तक ऐसे संकेतों या चेतावनियों को नजरअंदाज करते रहे हैं, जिसका नतीजा अक्सर भारी तबाही के रूप में सामने आता रहा है।

पिछले तीन दशकों से पर्यावरण प्रदूषण के कारण जिस प्रकार मौसम चक्र तीव्र गति से बदल रहा है और प्राकृतिक आपदाओं का आकस्मिक सिलसिला तेज हुआ है, उसके बावजूद यदि हम नहीं संभलना चाहते तो इसमें भला प्रकृति का क्या दोष? प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय में भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह बताया है कि किस प्रकार पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के चलते लोग अब तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं। हमारे जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ वातावरण के कारण हर किसी को अपनी ओर आकर्षित किया करते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है। दरअसल पर्वतीय क्षेत्रों में यातायात के साधनों से बढ़ते प्रदूषण, बड़े-बड़े उद्योग स्थापित करने और राजमार्ग बनाने के नाम पर बड़े पैमाने पर वनों के दोहन, सुरंगें बनाने के लिए बेदर्दी से पहाड़ों का सीना चीरे जाने का ही दुष्परिणाम है कि हमारे इन खूबसूरत पहाड़ों की ठंडक अब लगातार कम हो रही है। पहाड़ों में बढ़ती इसी गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें भी सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब वर्ष दर वर्ष बढ़ रहा है।

हालांकि प्रकृति बार-बार अपना रौद्र रूप दिखाकर स्पष्ट चेतावनी देती रही है कि यदि उसके साथ अंधाधुंध खिलवाड़ बंद नहीं हुआ तो उसके घातक परिणाम होंगे लेकिन विड़म्बना है कि लगातार प्रकृति का प्रचण्ड रूप देखते रहने के बावजूद प्रकृति की चेतावनियों को नजरअंदाज कर दुनिया अपने विनाश को आमंत्रित कर रही है। दरअसल हम समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम कंक्रीट के जो जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं है बल्कि विकास के नाम पर हम अपने ही विनाश का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें बारम्बार चेतावनी देती रही है कि हम यदि इसी प्रकार प्राकृतिक संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है। यदि हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण विषयों के जानकार और 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के लेखक हैं) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का शुभारम्भ

युवा नशे से दूर रहकर विकसित भारत निर्माण की ओर अग्रसर हो - राजस्व मंत्री वर्मा

नशे के विरुद्ध अभियान में सहभागिता निभाने दिलाई शपथ

छत्तीसगढ़ संवाद
(छत्तीसगढ़ शासन, जनसंपर्क विभाग की सहयोगी संस्था)
माने ब्लॉक, सेक्टर-19 नवा रायपुर अटल नगर,
जिला रायपुर, छत्तीसगढ़
फोन नं. 0771-2512536
क्रमांक/ छ.ग.सं/स्था/325......../2026 नवा रायपुर, अटल नगर, दिनांक/01/08/2026
प्रति,
Director,
Primeone Workforce Pvt Ltd
R-47 M.P. Nagar,
Near Arya Bhawan Restaurant
Bhopal M.P. Pin - 462011
विषय :- मानव संसाधन की सेवा वापस करने के संबंध में।
संदर्भ :- छत्तीसगढ़ संवाद का निविदा क्र GEM/2025/B/6454317, दिनांक 15/07/2025
उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि आपकी प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से छत्तीसगढ़ संवाद में डॉ. अनिल द्विवेदी, वरिष्ठ संपादकीय सलाहकार की सेवाएं ली जा रही हैं। डॉ. द्विवेदी द्वारा सार्वजनिक रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी की है, जो एक शासकीय पत्रिका के वरिष्ठ संपादकीय सलाहकार के पद के दायित्व, गरिमा और मानदंडों और शासकीय नीति-निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन है। डॉ द्विवेदी का यह कृत्य निविदा नियम एवं शर्तों की कंडिका-6 का भी उल्लंघन है।
अतः डॉ. अनिल द्विवेदी की सेवाएं तत्काल समाप्त करते हुए आपको वापस की जाती है।
अतः इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।
(मुख्य कार्यपालन अधिकारी महोदय द्वारा अनुमोदित)
प्रति मुख्य कार्यपालन अधिकारी
छत्तीसगढ़ संवाद
नवा रायपुर, अटल नगर

बलौदाबाजार/मूक पत्रिका

ताराचंद कठोत्रे / प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देशव्यापी 'नशा मुक्त युवा,विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ किया । उन्होंने वर्चुअल रूप से जुडर देश के 28000 से अधिक स्थानों से जुड़े युवाओं को सम्बोधित किया। इस कार्यक्रम के सीधा प्रसारण का आयोजन जिला पंचायत सभाकक्ष में किया गया। इस अवसर पर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री टंकराम वर्मा,जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, कलेक्टर कुलदीप.शर्मा,जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान राजस्व मंत्री ने उपस्थित युवा समूहों को नशा मुक्ति,नशा से दूर रहने तथा परिवार व समाज को नशा के दुष्परिणामो से जागरूक करने की शपथ दिलाई। इस दौरान युवाओं ने नशा मुक्ति से सम्बंधित आकर्षक नाटिका की भी प्रस्तुति दी। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिये लगातार युवाओ से आह्वान कर रहे है,नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान भी उसी की एक कड़ी है जिसके माध्यम से युवाओ को नशे के चंगुल में न पड़कर देश के बारे में सोचने की प्रेरणा देना है। उन्होंने कहा कि आज के युवा पीढ़ी नशे से दूर रहकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि नशा एक दीमक की तरह मनुष्य के जीवन को खोखला कर देता है जिससे न केवल उसका जीवन बर्बाद होता है बल्कि परिवार भी टूटकर बिखर जाता है,माता- पिता के सपने व उम्मीद समाप्त हो जाते है। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है देश की आजादी से लेकर अब तक जितने भी आंदोलन हुए उसमें युवाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी रही है, युवा परिवर्तन लाने में सक्षम हैं।नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत 100 सप्ताह तक लगातार अनेक कार्यक्रम होंगे जिसमें युवा बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और नशे के विरुद्ध लोगों को जागरूक करें। जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने युवा के लिये लगातार अभियान चला रहे हैं ताकि युवा जागरूक रहे और भविष्य सुरक्षित रहे।उन्होंने कहा कि नशा एक मनुष्य के परिवार को भी नाश कर देता है। युवा नशा से दूर रहे,अच्छे विचारों और संस्कारों को ग्रहण करें। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने 2047 तक भारत को विकसित,समृद्ध और स्वस्थ राष्ट्र का सपना देखा है और इसे पूरा करने के लिये युवाओं को नशा जैसे बुरी लत से मुक्त होना जरुरी है। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत 100 सप्ताह तक खेल,कला,संस्कृति,जनजारूकता के अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे जिसमें युवा अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करें। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य ईशान वैष्णव एसडीएम दीपक निकुंज,खेल अधिकारी प्रीति बंछोर सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों में जुटा प्रशासन

कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक, अंतिम पूर्वाभ्यास से पहले सभी व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश

बलरामपुर/मूक पत्रिका

आगामी 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के गरिमामय एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार को कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। बैठक में कलेक्टर ने सभी विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ सौंपे गए दायित्वों का समयबद्ध एवं जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पर्व की गरिमा बनाए रखने में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। समारोह की संपूर्ण तैयारियों के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। समीक्षा के दौरान समारोह स्थल पर साफ-सफाई, टेंट, कुर्सियां, मंच एवं साज-सज्जा, ध्वनि व्यवस्था, बैरीकेटिंग, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की विभागवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां तय समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए। बैठक में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किए जाने की प्रक्रिया पर भी चर्चा हुई। सभी विभागों को निर्धारित प्रारूप में पात्र अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रस्ताव समय पर भेजने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि 13 अगस्त को होने वाले अंतिम पूर्वाभ्यास से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं हर हाल में पूर्ण कर ली जाएं, ताकि स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमापूर्ण, अनुशासित एवं सफलतापूर्वक आयोजित किया जा सके। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर श्री चेतन बोरघरिया, श्री प्रमोद गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

असम बाढ़ पीड़ितों के लिए कांकेर से बढ़ा मदद का हाथ, 'जन सहयोग' ने सौंपी 31,100 की सहायता राशि

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/:- कांकेर पूर्वोत्तर राज्य असम में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए कांकेर की सामाजिक संस्था 'जन सहयोग' ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए आर्थिक सहयोग की पहल की है। संस्था ने आम नागरिकों के सहयोग से ?31,100 की राशि एकत्र कर जिला कलेक्टर के माध्यम से असम के बाढ़ प्रभावित लोगों तक पहुंचाने के लिए सौंप दी। संस्था के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी ने बताया कि असम में आई विनाशकारी बाढ़ ने पिछले कई दशकों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। बाढ़ से हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं और जन-धन की भारी क्षति हुई है। इस आपदा की जानकारी मिलते ही संस्था ने तत्काल राहत अभियान शुरू कर नागरिकों से सहयोग की अपील की, जिसे लोगों का भरपूर समर्थन मिला। राशि प्राप्त करने के दौरान कलेक्टर ने संस्था की इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए सहयोग राशि को बढ़ाकर ?51,100 तक भेजने की बात कही, जिसकी उपस्थित लोगों ने प्रशंसा की। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि बस्तर और कांकेर क्षेत्र स्वयं भी बाढ़ की त्रासदी झेल चुका है। वर्ष 1976 की भीषण बाढ़ की स्मृतियां आज भी लोगों के मन में ताजा हैं।

इसी संवेदना के चलते कांकेरवासियों ने असम के पीड़ितों की मदद के लिए आगे आकर सहयोग दिया। इस अभियान में अजय पप्पू मोटवानी के साथ टी. के. जैन, राजकुमार फत्यानी, अनुराग उपाध्याय, दिलीप कुमार गंजीर, संजय मंशानी एवं धर्मेंद्र देव सहित अनेक समाजसेवियों और युवाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। संस्था 'जन सहयोग' की इस मानवीय पहल की जिलेभर में सराहना की जा रही है।

वर्ष 2025 के खेल पुरस्कार हेतु 5 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

डाइट मनी और नगद राशि पुरस्कार हेतु आवेदन सीधे खेल संचालनालय या जिला कार्यालय में जमा होंगे

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा प्रतिवर्ष खिलाड़ियों और कोच को खेल पुरस्कार प्रदान किया जाता है एवं राज्य खेल अलंकरण से सम्मानित किया जाता है। इन पुरस्कारों (शहीद राजीव पांडे, शहीद कौशल यादव पुरस्कार, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार, पंकज विक्रम सम्मान, विनोद चौबे सम्मान, मुख्यमंत्री ट्रॉफी, नगद राशि) हेतु आवेदन करने के लिए इच्छुक अभ्यर्थी 05 अगस्त 2026 तक विगत वित्तीय वर्ष 2025-26 (1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के मध्य) के उपलब्धियों के आधार पर आवेदन कर सकते हैं।पुरस्कार संबंधी आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से संचालनालय, खेल एवं युवा कल्याण विभाग की वेबसाइट पर अपलोड किये गये आवेदन ही मान्य होंगे। केवल नगद राशि पुरस्कार एवं डाइटमनी हेतु आवेदन सीधे संचालनालय, खेल संघ के माध्यम से संचालनालय एवं जिला कार्यालय में जमा किये जा सकते हैं।1. शहीद राजीव पांडे पुरस्कारः इसके अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सीनियर वर्ग के ऐसे खिलाड़ियों को प्रदान किया जाता है, जिनके द्वारा राष्ट्रीय चैंपियनशिप में या राष्ट्रीय खेलों में कोई पदक प्राप्त किया हो या अधिकृत अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व किया गया हो।2. शहीद कौशल यादव पुरस्कारः ऐसे खिलाड़ियों को प्रदान किया है, जो जूनियर वर्ग के राष्ट्रीय चैंपियनशिप में कोई पदक प्राप्त किया गया हो।3. पंकज विक्रम सम्मानः ऐसे खिलाड़ियों को प्रदाय किया जाता है जिन्होंने विगत 5 वर्षों में 04 बार सीनियर वर्ग में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ की ओर से प्रतिनिधित्व किया हो।

4. वीर हनुमान सिंह पुरस्कारः प्रशिक्षकों एवं निर्णायकों को प्रदाय किया जाता है। 5. शहीद विनोद चौबे सम्मानः खेल से जुड़े 55 वर्ष या अधिक उम्र के अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में भाग लिया हो या राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक प्राप्त किया हो या संबंधित ने ऐसी कोई उल्लेखनीय सेवा खेल के क्षेत्र में की हो जिसके आधार पर उन्हें सम्मानित करने हेतु विचार किया जाएगा।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के नवीनीकरण और नवीन आवेदन होंगे ऑनलाइन जमा

12वी से उच्चतर पढ़ाई कर रहे एसटी, एससी और ओबीसी विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

शिक्षा सत्र 2026-27 के पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति छात्रवृत्ति के लिए विभागीय पोर्टल पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप डॉट सीजी डॉट एनआईसी डॉट इन में नवीन आवेदन ऑनलाइन जमा करने के लिए पोर्टल 1 अगस्त से आरम्भ हुआ है। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के नवीनीकरण जून से प्रारम्भ है। प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा के निर्देशन, कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू के मार्गदर्शन और सहायक आयुक्त बद्रीश सुखदेवे के नेतृत्व में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य और देश के अन्य राज्यों में पढ़ाई कर रहे छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अध्ययनरत विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप प्रदान किया जाएगा। छात्रवृत्ति हेतु पात्रता- अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों के पालक की आय सीमा रू. 2.50 लाख और अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु आय सीमा 1 लाख रूपये प्रतिवर्ष होना चाहिए। सक्षम अधिकारी द्वारा जारी स्थाई जाति प्रमाण पत्र, छ.ग. का मूल निवास प्रमाण पत्र, विद्यार्थी के अध्ययनरत् पाठ्यक्रम के विगत वर्ष का परीक्षा परिणाम संलग्न करना होगा।

पीएफएमएस के माध्यम से

14 अगस्त तक फसलों की बीमा करने की तिथि बढ़ी

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

भारत सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत खरीफ वर्ष 2026 के लिए छत्तीसगढ़ राज्य में अधिसूचित समस्त फसलों एवं अधिसूचित सभी जिलों के ऋणी एवं अऋणी कृषकों के फसल बीमा एवं प्रीमियम जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर 14 अगस्त 2026 कर दिया गया है। मैदानी स्तर पर किसानों के नामांकन में आई व्यावहारिक कठिनाइयों को दृष्टिगत रखते हुए अंतिम तिथि बढ़ाने का अनुरोध भारत सरकार को किया गया था। योजना का क्रियान्वयन कर रही बीमा कंपनियों द्वारा भी इस प्रस्ताव पर सहमति प्रदान किए जाने के उपरांत भारत सरकार ने किसानों के हित में अंतिम तिथि बढ़ाने की स्वीकृति प्रदान की है। 14 अगस्त तक सभी पात्र किसानों के फ़सल बीमा पंजीयन पर भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित प्रीमियम अनुदान नियमानुसार देय रहेगा। कलेक्टर के निर्देशन में कृषि विभाग, सेवा सहकारी समितियाँ, बैंक शाखाएँ, सेवा सेतु तथा अधिकृत बीमा कंपनी के माध्यम से जिले के सभी विकासखंडों में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक पात्र कृषकों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ मिल सके। उप संचालक कृषि आशुतोष श्रीवास्तव ने जिले के समस्त ऋणी एवं अऋणी कृषकों से अपील किया है कि किसानगण, अपनी अधिसूचित खरीफ फसलों का बीमा 14 अगस्त 2026 तक अनिवार्य रूप से कराएं। किसान अपने निकटतम सेवा सहकारी समिति, बैंक शाखा, अधिकृत सेवा सेतु नामित बीमा कंपनी अथवा क्षेत्रीय ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं ।

आखिर कब टूटेगी शिक्षा विभाग की चुप्पी? आदिवासी अंचल के बच्चों के भविष्य से कब तक होगा खिलवाड़

बेमेतरा/मूक पत्रिका

पवन कुमार नाग,-शिक्षा को देश और प्रदेश के विकास की सबसे मजबूत नींव माना जाता है, लेकिन बस्तर सहित आदिवासी अंचलों की जमीनी हकीकत सरकारी दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। अनेक सरकारी स्कूल आज भी वर्षों से केवल एक शिक्षक के भरोसे संचालित हो रहे हैं। सवाल यह है कि आखिर इन बच्चों के भविष्य की जिम्मेदारी कौन लेगा? एक शिक्षक से पहली से पांचवीं अथवा उससे अधिक कक्षाओं तक के विद्यार्थियों को पढ़ाने, शासकीय अभिलेखों का संधारण, मध्यान्ह भोजन की निगरानी, विभिन्न सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन और विभागीय बैठकों में भागीदारी की अपेक्षा की जाती है। ऐसे में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कैसे संभव होगी? यह प्रश्न केवल अभिभावकों का नहीं, बल्कि पूरे समाज का है। सबसे अधिक पीड़ा उन गरीब और आदिवासी परिवारों को झेलनी पड़ रही है, जिनकी रोजी-रोटी प्रतिदिन की मजदूरी पर निर्भर है। जो व्यक्ति दिनभर मेहनत कर लगभग 500 रुपये कमाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है, वह अपने बच्चों को निजी विद्यालय में कैसे पढ़ाए? ऐसे परिवारों के लिए सरकारी विद्यालय ही एकमात्र सहारा हैं, लेकिन यदि वहीं पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध नहीं होंगे तो बच्चों का भविष्य अंधकार में धकेला जाएगा। इस स्थिति के लिए केवल शासन या शिक्षक ही नहीं, बल्कि विभागीय निगरानी व्यवस्था भी कठघरे में खड़ी दिखाई देती है। यदि किसी संकुल में वर्षों से विद्यालय एकल शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं, तो संबंधित संकुल समन्वयक, विकासखंड शिक्षा अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी ने अब तक अतिरिक्त शिक्षकों की मांग के लिए कितने प्रस्ताव भेजे? यदि भेजे गए, तो उन पर क्या कार्रवाई हुई? और यदि नहीं भेजे गए, तो इसकी जवाबदेही किसकी है? इन सवालों के जवाब जनता जा?

सावन सोमवार पर रसोइयों ने दिखाई सेवा भावना, अपने खर्च से बच्चों को खिलाई खीर-पूड़ी..

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

बरमकेला विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय महराजपुर में सावन सोमवार के अवसर पर एक प्रेरणादायक पहल देखने को मिली। विद्यालय की रसोइया रेवती प्रधान और विलासिनी बैरागी ने अपनी ओर से बच्चों के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था कर उन्हें खीर-पूड़ी का स्वाद चखाया।

उनके इस स्नेहपूर्ण प्रयास ने बच्चों के साथ-साथ ग्रामीणों का भी दिल जीत लिया।आमतौर पर स्कूल में बच्चों को मध्याह्न भोजन परोसा जाता है, लेकिन सावन सोमवार के पावन अवसर पर दोनों रसोइयों ने अपनी निजी राशि से विशेष भोजन तैयार कराया। बच्चों को गरमा-गरम पूड़ी, सब्जी और स्वादिष्ट खीर परोसी गई। स्वादिष्ट भोजन पाकर बच्चे काफी खुश नजर आए और उन्होंने उत्साह के साथ भोजन किया। विशेष भोजन मिलने से विद्यालय का माहौल भी उत्साहपूर्ण हो गया।

बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दे रही थी। कई बच्चों ने रसोइयों का धन्यवाद किया और इस पहल की सराहना की। विद्यालय प्रबंधन, अभिभावकों और ग्रामीणों ने दोनों रसोइयों की सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि यह सिर्फ भोजन नहीं, बल्कि बच्चों के प्रति अपनापन और स्नेह का प्रतीक है। उनका कहना था कि ऐसे छोटे-छोटे प्रयास बच्चों के मन में प्रेम, सम्मान और आत्मीयता का भाव पैदा करते हैं। रेवती प्रधान और विलासिनी बैरागी की इस पहल ने यह साबित किया कि दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए बड़े संसाधनों की नहीं, बल्कि बड़े दिल की जरूरत होती है। उनका यह प्रयास समाज के लिए भी एक प्रेरणादायक संदेश है कि सेवा और संवेदनशीलता से ही सच्ची खुशियां बांटी जा सकती हैं।

कलेक्टर द्वारा विद्यार्थियों की पढ़ाई लिखाई, पुस्तक वाचन और शिक्षा गुणवत्ता की जांच

कलेक्टर ने विद्यार्थियों को आसान तरीके से ब्लैकबोर्ड पर लिखकर समझाया रियल नंबर्स

जिले के सभी स्कूलों में सामूहिक पुस्तक वाचन को कलेक्टर ने दिया बढ़ावा

कलेक्टर ने विभिन्न सरकारी संस्थाओं का किया आकस्मिक निरीक्षण

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने सोमवार को सारंगढ़ एवं बिलाईगढ़ विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर शिक्षण व्यवस्था, विद्यार्थियों की अध्ययन क्षमता तथा पुस्तक वाचन गतिविधियों का जायजा लिया। इसके साथ ही उन्होंने भटगांव तहसील एवं उप पंजीयक कार्यालय का भी निरीक्षण कर शासकीय कार्यों की समीक्षा की। सारंगढ़ विकासखंड के शासकीय हाईस्कूल कटेली पहुंचकर कलेक्टर ने कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों से हिंदी पाठ का वाचन कराया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहानी ÷गुल्ली-डंडा÷ के लेखक के बारे में पूछा, जिस पर विद्यार्थियों ने सही उत्तर देते हुए बताया कि इसके लेखक प्रेमचंद हैं। कलेक्टर ने बच्चों से गुल्ली-डंडा खेल के बारे में भी जानकारी ली, जिस पर विद्यार्थियों ने इसे खेलों का राजा बताया। उन्होंने छत्तीसगढ़ी लोकगीत, संस्कृत के सुभाषित तथा विभिन्न विषयों की पढ़ाई की प्रगति की जानकारी ली। कक्षा शिक्षक से पाठ्यक्रम की अब तक कितना पढ़ा चुके उसकी स्थिति पूछी, जिसमें बताया गया कि चार पाठ पूर्ण हो चुके हैं। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से उनके पसंदीदा विषय के बारे में भी चर्चा की, जिसमें अधिकांश बच्चों ने गणित एवं हिंदी को अपना पसंदीदा विषय बताया। कलेक्टर ने बताया कि प्रत्येक माह के प्रथम सोमवार को जिले के सभी विद्यालयों में पुस्तक वाचन गतिविधि आयोजित की जाएगी, जिससे विद्यार्थियों में पढ़ने की रुचि, भाषा दक्षता एवं अध्ययन की आदत विकसित हो सके। इसी क्रम में कलेक्टर ने बिलाईगढ़ विकासखंड के सेजेस स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पवनी का निरीक्षण किया। उन्होंने स्मार्ट क्लास का अवलोकन किया तथा विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से विषयवार प्रश्न पूछे। एफए-1 के अनुसार पाठ्यक्रम पूर्ण होने की जानकारी ली। कलेक्टर ने कक्षा 10वीं के गणित विषय के 'रियल नंबर्स' अध्याय से संबंधित प्रश्न ब्लैकबोर्ड पर लिखकर विद्यार्थियों से हल कराया। संतोषजनक उत्तर नहीं मिलने पर संबंधित शिक्षक को ब्लैकबोर्ड पर सरल तरीके से समझाने तथा कमजोर विद्यार्थियों के लिए अलग से बेसिक कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्वयं ब्लैकबोर्ड पर प्रश्न लिखकर विद्यार्थियों से उसका समाधान कराया तथा शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय में नवीन प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या की भी जानकारी प्राप्त की। कक्षा 12वीं की बायोलॉजी एवं गणित कक्षाओं तथा कक्षा 10वीं की अंग्रेजी कक्षा का भी निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से अंग्रेजी पुस्तक का वाचन कराया तथा जिन विद्यार्थियों की रीडिंग कमजोर पाई गई, उनके लिए विशेष अभ्यास कराने के निर्देश प्रधान पाठक एवं शिक्षकों को दिए।इसके पश्चात कलेक्टर ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिलाईगढ़ का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों से एचपीवी वैक्सीनेशन की जानकारी ली तथा पात्र छात्राओं का पालक की सहमति पर अधिक से अधिक टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कक्षा 9वीं में विद्यार्थियों से पुस्तक वाचन गतिविधि की जानकारी ली तथा अंग्रेजी विषय का पाठ पढ़वाकर उनकी रीडिंग क्षमता का परीक्षण किया। कमजोर विद्यार्थियों की अंग्रेजी पढ़ने की क्षमता में सुधार लाने के लिए शिक्षकों को विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। विद्यालय निरीक्षण के उपरांत कलेक्टर ने भटगांव तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने लोक सेवा केंद्र, नकल शाखा एवं कानूनगो शाखा का अवलोकन कर लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। आरबीसी 6-4 प्रकरणों, स्वामित्व योजना की प्रगति तथा अन्य राजस्व कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान उप पंजीयक कार्यालय का भी निरीक्षण कर अभिलेखों एवं कार्यालयीन व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों एवं शिक्षकों को निर्देशित किया कि विद्यार्थियों की बुनियादी शिक्षा, भाषा दक्षता, गणितीय समझ एवं नियमित पुस्तक वाचन पर विशेष ध्यान दिया जाए। कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त कक्षाएं संचालित कर उन्हें बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जाए तथा विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जाए। इस दौरान बिलाईगढ़ अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) प्रफुल्ल रजक, तहसीलदार कमलेश सिदार, विकासखंड शिक्षा अधिकारी सत्यनारायण साहू व नरेश चौहान सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने जुलाई 2026 में 5.42 लाख यूनिट की बिक्री दर्ज की

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एचएमएसआई) ने जुलाई 2026 में कुल 5.42 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो जुलाई 2025 में बेची गई 5.15 लाख यूनिट्स की तुलना में 5 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी है। जुलाई 2026 में घरेलू बिक्री 4.76 लाख यूनिट्स रही, जो जुलाई 2025 में बेची गई 4.66 लाख यूनिट्स की तुलना में 2त्न की बढ़ोतरी है। जुलाई 2026 में एक्सपोर्ट 0.66 लाख यूनिट्स रहा, जो जुलाई 2025 में एक्सपोर्ट की गई 0.49 लाख यूनिट्स की तुलना में 35प्रतिशत की बढ़ोतरी है। एफवाई27 (अप्रैल-जुलाई 2026) की अब तक की अवधि के लिए, एचएमएसआई ने कुल 21.54 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो अप्रैल-जुलाई 2025 के दौरान बेची गई 18.90 लाख यूनिट्स की तुलना में 14प्रतिशत की बढ़ोतरी है। अप्रैल-जुलाई 2026 के दौरान घरेलू बिक्री 18.89 लाख यूनिट्स रही, जो अप्रैल-जुलाई 2025 के दौरान बेची गई 16.95 लाख यूनिट्स की तुलना में 11प्रतिशत की बढ़ोतरी है। अप्रैल-जुलाई 2026 के दौरान एक्सपोर्ट 2.64 लाख यूनिट्स रहा, जो अप्रैल-जुलाई 2025 के दौरान एक्सपोर्ट की गई 1.95 लाख यूनिट्स की तुलना में 35त्न की बढ़ोतरी है।

सैमसंग ने पेश किया स्मार्ट 30 महीने का नो-कॉस्ट ईएमआई प्लान, फोल्डेबल स्मार्टफोन खरीदना हुआ और आसान

सैमसंग ने गैलेक्सी Z फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी Z फोल्ड8 और गैलेक्सी Z फ्लिप8 के लिए 30 महीने के नो-कॉस्ट ईएमआई ऑप्शन लॉन्च करके प्रीमियम स्मार्टफोन खरीदने के तरीके को नया रूप दिया है, जिससे सैमसंग की नई फोल्डेबल तकनीक अब पहले से कहीं आसानी से लोगों तक पहुंच सकेगी। हर महीने की किस्त का बोझ कम करने के मकसद से बनाई गई इस नई फाइनेंसिंग सुविधा से ज़्यादा से ज़्यादा ग्राहक बिना किसी डाउन पेमेंट के गैलेक्सी एआई से लैस सैमसंग की नई गैलेक्सी Z सीरीज़ का अनुभव ले सकेंगे।सैमसंग की नई गैलेक्सी Z सीरीज़ फोल्डेबल तकनीक की सात पीढ़ियों के अनुभव और ग्राहकों से मिले फीडबैक पर बनी है, और अब तक का सबसे बेहतरीन फोल्डेबल अनुभव देती है। इसमें खास तौर पर बनाया गया गैलेक्सी एआई, हिंज डिज़ाइन, डिस्प्ले, मजबूती और परफॉर्मेंस से जुड़ी नई इंजीनियरिंग एक साथ मिलती है। यह नई फाइनेंसिंग सुविधा सिर्फ डिवाइस तक सीमित नहीं है, बल्कि सैमसंग की नई फोल्डेबल तकनीक को खरीदना भी उतना ही आसान बना रही है। अब ग्राहक गैलेक्सी Z फोल्ड8 अल्ट्रा को सिर्फ 6,667 रुपये प्रति महीने से खरीद सकते हैं, जो पिछली पीढ़ी के गैलेक्सी Z फोल्ड7 के मुकाबले 9 प्रतिशत कम मासिक ईएमआई है।

सनकाइंड इंडिया ने लगभग 250 मेगावाट पीक के डिस्ट्रीब्यूटेड ओपन एक्सेस सोलर ईपीसी ऑर्डर हासिल किए

रायपुर। रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में एकीकृत ईपीसी सेवाएं और क्लीन एनर्जी सोल्यूशंस उपलब्ध कराने वाली कंपनी सनकाइंड इंडिया लिमिटेड ने जुलाई 2026 तक कुल लगभग 250 मेगावाट पीक क्षमता के डिस्ट्रीब्यूटेड ओपन एक्सेस सोलर ईपीसी के कई ऑर्डर हासिल किए हैं। ये परियोजनाएं छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और तमिलनाडु में स्टील, पैकेजिंग, मैन्युफैक्चरिंग और इंडिपेंडेंट पावर प्रोड्यूसर सेक्टर के औद्योगिक और व्यावसायिक ग्राहकों के लिए विकसित की जाएंगी। इन नए ऑर्डरों से कंपनी की ऑर्डर बुक को मजबूती मिली है। साथ ही, पूरे देश में रिन्यूएबल एनर्जी परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने की कंपनी की क्षमता और मौजूदगी भी और मजबूत हुई है। इस उपलब्धि पर सनकाइंड इंडिया लिमिटेड के फाउंडर एवं मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) श्री हानिश गुप्ता ने कहा लगभग 250 मेगावाट के डिस्ट्रीब्यूटेड ओपन एक्सेस सोलर ईपीसी ऑर्डर मिलना इस बात का प्रमाण है कि हमारे ग्राहक हमारी इंजीनियरिंग क्षमता, काम की गुणवत्ता और समय पर परियोजनाएं पूरी करने की क्षमता पर भरोसा करते हैं। आज रिन्यूएबल एनर्जी कारोबार की लंबी अवधि की योजनाओं का अहम हिस्सा बनती जा रही है।

इसलिए व्यावसायिक और औद्योगिक क्षेत्र से हमें लगातार अच्छे ऑर्डर मिल रहे हैं। ये नए ऑर्डर हमारे कारोबार को और मजबूती देंगे। साथ ही, हम आगे भी समय पर बेहतर गुणवत्ता वाले स्वच्छ ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराने और ग्राहकों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करते रहेंगे। सनकाइंड इंडिया लिमिटेड के चीफऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) श्री वीरपाल यादव ने कहा हमारी लगातार बढ़ती ऑर्डर बुक, सनकाइंड की मजबूत ईपीसी क्षमता और बेहतर कार्य निष्पादन का प्रमाण है। इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट और निर्माण के हर चरण में हमारी अनुभवी इन-हाउस टीम हमें एक साथ कई डिस्ट्रीब्यूटेड ओपन एक्सेस परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम बनाती है।

सरकारी अस्पताल में संसाधनों की कमी नहीं, सेवा और संवेदनशीलता दिखे

कलेक्टर संजय अग्रवाल का जिला अस्पताल में औचक निरीक्षण

- डॉक्टरों को समयपालन और बेहतर इलाज के दिए निर्देश
- मरीजों से आत्मीय संवाद कर कलेक्टर ने जाना हाल
- अम्मा कैसे हो, क्या हो गया, सब ठीक हो जायेगा : कलेक्टर

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, चिकित्सकीय व्यवस्थाओं और मरीजों को मिल रही सुविधाओं का विस्तृत जायजा लिया। लगभग डेढ़ घंटे तक चले निरीक्षण में उन्होंने ओपीडी, विभिन्न वार्डों, डायलिसिस यूनिट, धनवंतरी मेडिकल स्टोर, नशा मुक्ति केंद्र, जिला पुनर्वास केंद्र, किचन तथा निर्माणाधीन मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर का निरीक्षण किया। मरीजों से सीधे संवाद कर उपचार की जानकारी ली और चिकित्सकों को सेवा की गुणवत्ता एवं मानवीय व्यवहार को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सुबह लगभग सवा दस बजे तक तीन-चार चिकित्सक अनुपस्थित मिले। कलेक्टर ने तत्काल उनसे दूरभाष पर संपर्क कर अनुपस्थिति का कारण पूछा और भविष्य में समय पर उपस्थित रहने की कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अस्पताल आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर उपचार और सम्मानजनक व्यवहार मिलना चाहिए। विभिन्न ओपीडी के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उपलब्ध संसाधनों के बावजूद अपेक्षाकृत कम मरीजों के जिला अस्पताल पहुंचने पर चिंता व्यक्त की। विशेष रूप से नेत्र एवं दंत रोग विभाग में प्रतिदिन केवल 30 से 35 मरीज आने की जानकारी मिलने पर उन्होंने दोनों विभागों को स्कूलों एवं महाविद्यालयों में विशेष जांच शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के निर्देश दिए। वार्ड निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने भर्ती मरीजों से आत्मीयता से चर्चा की। आपातकालीन वार्ड में भर्ती एक बुजुर्ग महिला का हालचाल पूछते हुए उन्होंने कहा, ष्अम्मा, कैसे हो... सब ठीक हो जाएगा। कलेक्टर के आत्मीय व्यवहार से महिला भावुक हो गई और उसने अस्पताल में मिल रहे उपचार पर संतोष व्यक्त किया। कलेक्टर ने चिकित्सकों से कहा कि निजी अस्पतालों की तुलना में जिला अस्पताल में पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं। आवश्यकता केवल इन संसाधनों का बेहतर उपयोग कर मरीजों का विश्वास जीतने की है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मरीज संतुष्ट होकर अस्पताल से लौटे, यही सभी का प्रयास होना चाहिए। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना का अधिकतम लाभ पात्र मरीजों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। जिन मरीजों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं, उनके कार्ड खाद्य विभाग के समन्वय से तत्काल बनवाने को कहा। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में लगभग 30 मरीजों का उपचार आयुष्मान योजना के माध्यम से किया जा रहा है।अस्पताल में छोटे-मोटे मरम्मत एवं सुधार कार्यों में सीजीएमएससी स्तर पर हो रही देरी पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए आवश्यक कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। धनवंतरी मेडिकल स्टोर के निरीक्षण के दौरान उन्हें बताया गया कि यहां प्रतिदिन औसतन 25 हजार रुपये की दवाओं की बिक्री होती है। उन्होंने अटल आरोग्य लैब की जांच सुविधाओं का भी जायज़ा लिया। कलेक्टर ने अस्पताल परिसर में संचालित नशा मुक्ति केंद्र एवं जिला पुनर्वास केंद्र का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि यहां लगभग 400 लोगों को नियमित दवा एवं परामर्श दिया जा रहा है।

एसईसीएल मुख्यालय में 62वीं कंपनी स्तरीय द्विपक्षीय सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुआ

बिलासपुर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) मुख्यालय स्थित वसंत क्लब, बिलासपुर में बुधवार को 62वीं कंपनी स्तरीय द्विपक्षीय सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों एवं श्रमिक प्रतिनिधियों ने सुरक्षा सर्वोपरि, सुरक्षा से समृद्धि के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए सुरक्षित कार्य संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा शून्य दुर्घटना के लक्ष्य की दिशा में सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया। द्विपक्षीय सुरक्षा समिति एसईसीएल में सुरक्षा संबंधी विषयों पर प्रबंधन एवं श्रमिक प्रतिनिधियों के बीच संवाद का सर्वोच्च मंच है। बैठक की अध्यक्षता निदेशक (तकनीकी /संचालन) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार ने की। इस अवसर पर निदेशक (तकनीकी/योजना एवं परियोजना) श्री रमेश चन्द्र महापात्र, सभी क्षेत्रों के महाप्रबंधक, मुख्यालय के विभागाध्यक्ष, द्विपक्षीय सुरक्षा समिति के सदस्य तथा विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं बचाव) श्री प्रकाश राय के स्वागत संबोधन से हुआ। निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार ने सभी प्रतिभागियों को सुरक्षा शपथ दिलाते हुए कहा कि सुरक्षित कार्य संस्कृति केवल नियमों के पालन से नहीं, बल्कि प्रत्येक कर्मचारी की जागरूकता, अनुशासन और जिम्मेदारी से विकसित होती है। उन्होंने सभी से सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सामूहिक प्रयासों से शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त करने का आह्वान किया। अपने संबोधन में निदेशक (तकनीकी/योजना एवं परियोजना) श्री रमेश चन्द्र महापात्र ने कहा कि आधुनिक तकनीकों, सतत प्रशिक्षण तथा सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी से ही सुरक्षित एवं उत्पादक कार्य वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने सुरक्षा मानकों के प्रभावी अनुपालन और निरंतर सुधार पर विशेष बल दिया।

सेवानिवृत्त हो रहे मंडल रेल परिवार के 38 सदस्यों को दी गई भावभीनी विदाई

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत 38 रेल परिवार के सदस्य माह जुलाई 2026 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सेवानिवृत्त हुये । मंडल रेल प्रबंधक परिसर स्थित सीबीटी परीक्षा केंद्र में आयोजित सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त हो रहे समस्त कर्मचारियों को ससम्मान विदाई दी गई । इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी श्री यू शिव शंकर राव द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को बंदोबस्त भुगतान से संबंधित समस्त दस्तावेज,सेवा प्रशस्ति प्रमाण-पत्र एवं सेवा मैडल आदि प्रदान किया गया । इस दौरान मुख्य कार्यालय अधीक्षक (आईटी) श्री सेवक रजक द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उम्मीद कार्ड (मेडिकल) व बंदोबस्त से संबन्धित नियमों से अवगत कराया गया । समारोह में सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन, मंडल कल्याण निरीक्षक एवं कार्मिक निपटारा शाखा के कर्मचारी भी उपस्थित रहे । मंडल के सेवानिवृत्त हो रहे 38 रेल परिवार के सदस्यों में विद्युत विभाग से 10, इंजीनियरिंग विभाग से 13, परिचालन विभाग से 07, मेकेनिकल विभाग से 03, वाणिज्य विभाग से 03, सिग्नल व दूरसंचार विभाग से 01 तथा कार्मिक विभाग से 01 कर्मचारी शामिल हैं । इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनकी गौरवशाली रेल सेवा के लिए बधाई दी तथा तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु होने की कामना की गई ।

कन्हर रिवर फ्रंट निर्माण की दिशा में बढ़ा कदम

रामानुजगंज। नगरवासियों की वर्षों पुरानी बहुप्रतीक्षित मांग अब साकार होती नजर आ रही है। नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल सहित नगर के जनप्रतिनिधियों और नागरिकों द्वारा लगातार कन्हर नदी के किनारे रिवर फ्रंट निर्माण की मांग की जा रही थी। अब कृषि मंत्री राम विचार नेताम की पहल पर इस महत्वाकांक्षी परियोजना को लेकर प्रशासनिक स्तर पर कार्य प्रारंभ हो गया है। गुरुवार को जल संसाधन विभाग एवं सर्वेक्षण टीम कनहर नदी तट पर पहुंची, जहां अत्याधुनिक कंटूर ड्रोन तकनीक के माध्यम से विस्तृत सर्वे किया गया। ड्रोन की सहायता से नदी के किनारे की भौगोलिक स्थिति, भूमि की ऊंचाई, ढलान तथा निर्माण की संभावनाओं का सूक्ष्म परीक्षण किया गया। सर्वेक्षण के दौरान विभागीय अधिकारियों ने विभिन्न बिंदुओं का तकनीकी निरीक्षण भी किया। सर्वे कर रही टीम के सदस्यों ने बताया कि प्रारंभिक योजना के अनुसार लगभग 300 मीटर लंबाई में कन्हर रिवर फ्रंट विकसित किया जाएगा। परियोजना के तहत नदी किनारे आकर्षक वॉकिंग पाथ, आधुनिक घाट, बैठने की व्यवस्था, हाईमास्ट एवं सजावटी लाइटिंग, हरियाली, फूल-पौधों का विकास, सौंदर्यीकरण तथा लोगों के घूमने-फिरने और समय बिताने के लिए आकर्षक संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों की सुविधा के अनुरूप अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। नगरवासियों का मानना है कि कन्हर रिवर फ्रंट बनने से रामानुजगंज को एक नई पहचान मिलेगी।

अमेरिका के डलास में परमपूज्य श्री गणपति सच्चिदानंद स्वामीजी के दिव्य सान्निध्य में ऐतिहासिक श्रीमद्भगवद्गीता पारायण एवं विश्व शांति प्रार्थना का भव्य आयोजन

नई दिल्ली। मैसूर स्थित अवधूत दत्त पीठम के संस्थापक परमपूज्य श्री गणपति सच्चिदानंद स्वामीजी के दिव्य मार्गदर्शन और नेतृत्व में अमेरिका के टेक्सास राज्य के डलास स्थित क्यूटेक्स ऑडिटोरियम में संपूर्ण श्रीमद्भगवद्गीता पारायण का एक ऐतिहासिक एवं भव्य सामूहिक आयोजन संपन्न हुआ। यह आयोजन परमपूज्य स्वामीजी की अमेरिका में 50 वर्षों की स्वर्णिम आध्यात्मिक यात्रा के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला का प्रमुख अंग था।इस विराट आध्यात्मिक आयोजन में विश्व के 18 देशों से आए भक्तों, हजारों विद्यार्थियों तथा अनेक प्रतिष्ठित स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों ने सहभागिता की। विद्यार्थियों ने कंठस्थ संपूर्ण श्रीमद्भगवद्गीता के 700 श्लोकों का सामूहिक पारायण किया, जिससे पूरा ऑडिटोरियम भक्तिमय वातावरण और दिव्य आध्यात्मिक ऊर्जा से गुंजायमान हो उठा। इस आयोजन का मूल उद्देश्य वसुधैव कुटुम्बकम् — अर्थात संपूर्ण विश्व एक परिवार है — इस सनातन जीवन दृष्टिकोण को आत्मसात करना था। अपने आशीर्वचन में परमपूज्य श्री गणपति सच्चिदानंद स्वामीजी ने God Bless India, God Bless America, and God Bless the World" का प्रेरणादायी संदेश देते हुए कहा कि अमेरिका में रहने वाले प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है कि वह भारत और अमेरिका के संबंधों को आध्यात्मिक मूल्यों, सांस्कृतिक समन्वय और मानवीय सद्भाव के माध्यम से नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में अपनी भूमिका निभाए। स्वामीजी ने इस अवसर पर विश्व शांति के लिए प्रार्थना का विशेष आयोजन किया और कहा कि यह श्रीमद्भगवद्गीता पारायण प्रत्येक परिवार की शांति, कल्याण, सामाजिक सद्भाव तथा संपूर्ण विश्व के मंगल और विश्व शांति की भावना से किया गया है। अपने संबोधन में उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि जिस देश ने हमें अवसर, सहयोग और सम्मान प्रदान किया है, उसके प्रति सदैव आभार और सम्मान का भाव रखना चाहिए। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को ऐसे विश्व के लिए प्रार्थना करने का आह्वान किया जो शांति, समृद्धि, स्वतंत्रता और परस्पर सहयोग के मार्ग पर अग्रसर हो।

भगवद्गीता के दिव्य संदेश के माध्यम से परमपूज्य स्वामीजी ने शांति, सेवा, करुणा और समस्त मानवता के कल्याण की कामना की। उन्होंने कहा कि जब प्रत्येक हृदय और प्रत्येक परिवार में शांति स्थापित होगी,

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में आधुनिक ट्रैक मशीनों से रेल पथ अनुरक्षण को नई गति

- यात्रियों की संरक्षित, सुगम एवं आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक ट्रैक मशीनों से किया जा रहा है रेल पथ का अनुरक्षण
- दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 92 आधुनिक ट्रैक मशीनें रेल संरक्षा एवं उच्च गति रेल संचालन को दे रही हैं मजबूती

बिलासपुर। भारतीय रेलवे के सबसे महत्वपूर्ण माल परिवहन क्षेत्रों में अग्रणी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे लगभग 5,500 ट्रैक किलोमीटर के विशाल रेल नेटवर्क पर प्रतिदिन लगभग 400 से अधिक यात्री एवं मालगाड़ियों का सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित कर रहा है। इतनी व्यापक रेल संरचना के संरक्षित एवं निर्बाध संचालन के लिए रेल पथ का नियमित एवं उच्च गुणवत्ता वाला अनुरक्षण अत्यंत आवश्यक है। रेलवे ट्रैक केवल दो रेल पटरियों का समूह नहीं है, बल्कि यह रेल, स्लीपर, बैलास्ट (गिट्टी), फास्टनिंग एवं ज्यामितीय मानकों से मिलकर बनी एक अत्यंत संवेदनशील संरचना है। ट्रैक की लाइनिंग, लेवलिंग, अलाइनमेंट तथा बैलास्ट की गुणवत्ता सीधे तौर पर रेल परिचालन की संरक्षा, गति और यात्रियों के आरामदायक सफर को प्रभावित करती है। इसलिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे आधुनिक तकनीक आधारित ट्रैक मशीनों के माध्यम से रेल पथ अनुरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। आधुनिक ट्रैक मशीनों के उपयोग से ट्रैक अनुरक्षण कार्य अधिक तेज, सटीक, संरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से सम्पन्न हो रहे हैं। इन मशीनों के माध्यम से भारी-भरकम कार्य कम समय में संपन्न होने के साथ-साथ ट्रैक कर्मियों की संरक्षा भी सुनिश्चित होती है तथा ट्रेनों के परिचालन पर न्यूनतम प्रभाव पड़ता है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में तीसरी, चौथी एवं नई रेल लाइनों के निर्माण के साथ-साथ विद्यमान रेल पथ के अनुरक्षण में ट्रैक मशीनों की भूमिका निरंतर बढ़ रही है। विशेष रूप से नागपुरङ्कझारसुगुड़ा मुख्य रेलखंड पर 130 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति से रेल परिचालन को ध्यान में रखते हुए उच्च गुणवत्ता वाले ट्रैक अनुरक्षण की आवश्यकता और भी बढ़ गई है। इसी दिशा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 (01 अप्रैल से 30 जून 2026) के दौरान ट्रैक मशीनों के माध्यम से उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। इस अवधि में 2,042 किलोमीटर प्लेन ट्रैक टैंपिंग, 907 टर्नआउट टैंपिंग, 102 किलोमीटर डीप स्क्रीनिंग (गिट्टी छनाई), 50 किलोमीटर ट्रैक रिन्यूअल एवं 58 टर्नआउट रिन्यूअल का कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया है। यह उपलब्धियाँ उपलब्ध ब्लॉक समय के प्रभावी उपयोग एवं बेहतर योजना के साथ प्राप्त की गई हैं। वर्तमान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 92 आधुनिक ट्रैक मशीनें रेल पथ अनुरक्षण के लिए कार्यरत हैं। इनमें सीएसएम, ड्योमैटिक, एमपीटी, यूनिमेट, बीसीएम, एफआरएम, पीक्यूआरएस, टी-28, बीआरएम, डीजीएस, यूटीवी सहित अनेक अत्याधुनिक मशीनें शामिल हैं। इन मशीनों के संचालन एवं रखरखाव के लिए ट्रैक मशीन संगठन में लगभग 900 प्रशिक्षित कर्मचारी कार्यरत हैं। रेल पथ अनुरक्षण का कार्य दिन-रात, हर मौसम में निरंतर चलता रहता है। ट्रैक मशीनों एवं समर्पित रेल कर्मियों के समन्वित प्रयासों से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे संरक्षित, विश्वसनीय एवं समयबद्ध रेल परिचालन सुनिश्चित कर रहा है। दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा संरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित करने हेतु आधुनिक ट्रैक मशीनों द्वारा ट्रैक अनुरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का सतत प्रयास है कि प्रत्येक रेल यात्री को संरक्षित, आरामदायक एवं विश्वसनीय यात्रा का अनुभव प्राप्त हो तथा भारतीय रेलवे के प्रति यात्रियों का विश्वास और अधिक सुदृढ़ होता रहे।

आईजीपी राम गोपाल गर्ग ने ली रायगढ़ पुलिस की समीक्षा बैठक संपन्न

रायगढ । पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज राम गोपाल गर्ग ने मुख्यमंत्री के रायगढ़ प्रवास कार्यक्रम के सफल समापन के बाद पुलिस कंट्रोल रूम में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों, थाना एवं चौकी प्रभारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विवेचना की गुणवत्ता की विस्तृत समीक्षा की गई। आईजीपी ने कहा कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के नेतृत्व में रायगढ़ पुलिस सराहनीय कार्य कर रही है, लेकिन बदलते समय की चुनौतियों को देखते हुए पुलिसिंग को अधिक प्रोफेशनल, तकनीक आधारित और परिणाममुखी बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि नवीन आपराधिक कानूनों के तहत सात वर्ष या उससे अधिक सजा वाले मामलों में 90 दिनों तथा अन्य मामलों में 60 दिनों के भीतर विवेचना पूरी कर न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया जाए। लंबित प्रकरणों की श्रेणीवार समीक्षा कर समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने और सामान्य अपराधों का अधिकतम आठ दिनों में निपटारा करने पर भी जोर दिया गया। आईजीपी ने ई-साक्ष्य संकलन, ऑडियो-वीडियोग्राफी, सीसीटीएनएस में समय पर प्रविष्टि, डिजिटल सिग्नेचर के उपयोग तथा स्ह्नस्रस्वङ्कक्क पोर्टल के माध्यम से मेडिकल अनुरोध भेजने को अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

ईरान पर नहीं रुकेंगे अमेरिकी हमले? ट्रंप बोले- अब भरोसा खत्म हो रहा

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच छिड़े संघर्ष के खत्म होने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। इस बीच व्हाइट हाउस ने संकेत दिए हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर नए सैन्य हमलों पर विचार कर रहे हैं। अमेरिका चाहता है कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोले और पिछले महीने दोनों देशों के बीच हुए संघर्षविराम समझौते की शर्तों का पालन करे। हालांकि, अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि यह समझौता जल्द ही टूट गया। अमेरिका ने शुक्रवार रात ईरान पर कोई हमला नहीं किया। वहीं, ईरान के अर्धसैनिक संगठन रिवोल्यूशनरी गार्ड ने दावा किया कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य में दो और टैंकरों को निशाना बनाया है। उधर, कुवैत ने कहा कि उसने ईरान के ड्रोन हमले को नाकाम कर दिया।व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ईरान ने पिछले महीने अमेरिका के साथ संघर्षविराम को लेकर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन बाद में उसने इसे तोड़ दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान ने व्यावसायिक जहाजों पर हमला किया और अमेरिकी सैनिकों की जान ली। लेविट ने शुक्रवार शाम जारी बयान में कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप इस तरह के आतंकवादी व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करेंगे। जब तक ईरान राष्ट्रपति ट्रंप की नजर में सार्थक तरीके से बातचीत की मेज पर नहीं आता, तब तक उसे इसकी कीमत चुकानी होगी।' इससे पहले शुक्रवार को मैरीलैंड स्थित कैंप डेविड में कैबिनेट सदस्यों के साथ बैठक के दौरान ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ अपना अभियान जारी रखेगा। उन्होंने कहा, 'हम बस जीतना चाहते हैं।' ट्रंप ने कहा, 'हम उन पर बहुत कड़ा प्रहार करेंगे। एक समय ऐसा आएगा जब वे कहेंगे कि अब हम और बर्दाश्त नहीं कर सकते। कैंप डेविड में कैबिनेट बैठक के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनका ईरान पर से भरोसा उठता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि तेहरान बार-बार अपने वादों से मुकर जाता है, जबकि दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है। ट्रंप ने कहा, 'वे झूठ बोलते हैं और तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करते हैं। वे हमेशा बातचीत करना चाहते हैं, लेकिन बार-बार अपना वादा तोड़ देते हैं। कड़ी टिप्पणी के बावजूद ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच शीर्ष स्तर पर बातचीत जारी है। उन्होंने बताया कि विशेष दूत स्टीव विटकॉफ, वरिष्ठ सलाहकार जेरेड कुशनर, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रूबियो वार्ता टीम के प्रमुख सदस्य हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे बहुत अच्छे लोग बातचीत कर रहे हैं। 'क्या ईरान पर फिर से हमला करेगा अमेरिका?ट्रंप ने क्षेत्रीय सुरक्षा का जिक्र करते हुए कहा कि जब बातचीत चल रही थी, उसी दौरान जॉर्डन में स्थित एक अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हमला हुआ। उन्होंने कहा, 'मुझे पीट हेगसेथ का फोन आया कि उन्होंने जॉर्डन में हमारे एक सैन्य अड्डे पर पांच मिसाइलें दाग दी हैं।' आगे और हमलों की आशंका पर पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा, 'अगर मैं कहूं कि ऐसा नहीं होगा तो यह मेरी मूर्खता होगी। आपको हमेशा सतर्क रहना पड़ता है। ' ईरान की दीर्घकालिक क्षमता पर टिप्पणी करते हुए ट्रंप ने कहा, 'वे कमजोर होंगे। अभी शायद थोड़े मजबूत दिखें, लेकिन फिर कमजोर पड़ जाएंगे और आखिरकार उनकी ताकत खत्म हो जाएगी।' ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब वॉशिंगटन और तेहरान के बीच ईरान के परमाणु कार्यक्रम और व्यापक क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े लंबे समय से चले आ रहे।

पीओके हिंसा का शिकार बना पूर्व जेकेएलएफ कमांडर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच पूर्व जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट कमांडर कमांडर फारूक की मौत हो गई है। 85 वर्षीय फारूक रावलाकोट में प्रदर्शन के दौरान गंभीर रूप से घायल हुए थे और इलाज के दौरान इस्लामाबाद के एक अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, 28 जुलाई को रावलाकोट बस टर्मिनल के पास प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हुई थी। आरोप है कि इस दौरान पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की गोलीबारी में फारूक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। रिपोर्टों के मुताबिक, कमांडर फारूक का संबंध अतीत में जेकेएलएफ से रहा था और वह 1990 के दशक में भारत विरोधी आतंकवादी गतिविधियों में शामिल रहे थे। दावा किया गया है कि उन्होंने पहले पाकिस्तान सेना के स्पेशल सर्विसेज ग्रुप में सेवा दी और बाद में जेकेएलएफ से जुड़ गए।

सनसनीखेज खुलासा: जंग में ईरान का खुफिया कवच बना रूस, अमेरिकी सैन्य ठिकानों की तबाही में कर रहा मदद

तेहरान, मास्को, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच रूस की भूमिका को लेकर एक बड़ा दावा सामने आया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, रूस ईरान को इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस, सैटेलाइट निगरानी और सिग्नल इंटेलिजेंस उपलब्ध करा रहा है, जिससे तेहरान अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस खुफिया जानकारी की मदद से ईरान अमेरिकी सैन्य गतिविधियों की बेहतर निगरानी कर सकता है। इससे उसकी वायु रक्षा प्रणाली को मजबूत करने, महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों की सुरक्षा बढ़ाने और ड्रोन व मिसाइल हमलों की सटीकता में सुधार करने में मदद मिल सकती है।

बताया गया है कि रूस की ओर से साझा की जा रही जानकारी में सैटेलाइट निगरानी और इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस शामिल है। इससे ईरान अमेरिकी विमानों और सैन्य अभियानों की पहचान करने के साथ-साथ कुछ अमेरिकी हथियार प्रणालियों के संचालन को प्रभावित करने की क्षमता भी विकसित कर सकता है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और यूरोप के कुछ अधिकारियों ने यह जानकारी साझा की है कि मॉस्को और तेहरान के बीच खुफिया सहयोग बढ़ा है। इससे पहले भी ऐसी खबरें आई थीं कि रूस ने पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों की जानकारी ईरान के साथ साझा की थी।

रूस और ईरान ने इन रिपोर्टों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। दोनों देशों ने इस तरह की किसी भी खुफिया साझेदारी की सार्वजनिक पुष्टि नहीं की है।विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटनाक्रम रूस और ईरान के बीच तेजी से मजबूत होते रणनीतिक रिश्तों का हिस्सा है। इसी वर्ष जनवरी में दोनों देशों ने रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग को लेकर एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। हालांकि इसमें आपसी सैन्य रक्षा का प्रावधान शामिल नहीं था। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से रूस और ईरान के सैन्य संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। पश्चिमी देशों का आरोप है कि ईरान ने रूस को ड्रोन और अन्य सैन्य उपकरण उपलब्ध कराए, जिनका इस्तेमाल यूक्रेन युद्ध में किया गया। हालांकि रूस और ईरान दोनों इन आरोपों से लगातार इनकार करते रहे हैं। हाल के अमेरिकी और इजरायली हमलों के बाद रूस ने सार्वजनिक रूप से ईरान का समर्थन भी किया है। ऐसे में यदि खुफिया सहयोग की ये रिपोर्टें सही साबित होती हैं, तो पश्चिम एशिया में शक्ति संतुलन और अमेरिका-ईरान तनाव पर इसका बड़ा असर पड़ सकता है।

ईस्टर धमाकों पर ऐतिहासिक फैसला: श्रीलंका के पूर्व पुलिस प्रमुख और रक्षा सचिव को फांसी की सजा

कोलंबो , एजेंसी। श्रीलंका की एक तीन सदस्यीय हाईकोर्ट बेंच ने 2019 के भीषण ईस्टर रविवार आतंकी हमलों को रोकने में विफल रहने पर देश के पूर्व पुलिस महानिरीक्षक पुजित जयसुंदरा को मौत की सजा सुनाई है। अदालत ने माना कि उन्हें हमले से पहले खुफिया चेतावनी मिल चुकी थी, लेकिन उन्होंने समय रहते जरूरी कार्रवाई नहीं की। अदालत के दो न्यायाधीशों ने बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा कि जयसुंदरा अपने कर्तव्यों का पालन करने में विफल रहे और उनकी लापरवाही के कारण बड़ी संख्या में लोगों की जान गई। हालांकि, तीसरे न्यायाधीश ने अलग राय देते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित नहीं कर पाया।

अदालत के अनुसार, 20 अप्रैल 2019 की शाम को तत्कालीन स्टेट इंटेलिजेंस सर्विस के प्रमुख निलंथा जयवर्धने ने जयसुंदरा को जानकारी दी थी कि अगले दिन कैथोलिक चर्चों और कोलंबो के प्रमुख होटलों पर आत्मघाती हमला हो सकता है। इसके बावजूद पुलिस प्रमुख ने सुरक्षा बढ़ाने या हमले को रोकने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए। अदालत ने इसे गंभीर लापरवाही और हत्या में सहयोग माना। इसी मामले में अदालत ने तत्कालीन रक्षा सचिव हेमासिरी फर्नांडो को भी दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई। अदालत ने कहा कि उन्हें भी खुफिया चेतावनी की जानकारी थी, लेकिन उन्होंने भी आवश्यक कार्रवाई नहीं की। बता दें कि 21 अप्रैल 2019 को ईस्टर रविवार के दिन श्रीलंका के कई कैथोलिक चर्चों और लक्जरी होटलों में सिलसिलेवार आत्मघाती बम धमाके हुए थे। इन हमलों में 260 से अधिक लोगों की मौत हुई थी, जबकि 500 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। यह श्रीलंका के इतिहास के सबसे भयावह आतंकी हमलों में से एक माना जाता है। यह फैसला श्रीलंका की न्याय व्यवस्था के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि किसी जिम्मेदार अधिकारी को पहले से खतरे की जानकारी हो और वह कार्रवाई न करे, तो उसे भी गंभीर अपराधों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

रूस-यूक्रेन टकराव कब थमेगा, जेलेंस्की ट्रंप से क्या बोले, दोनों के बीच मस्क का जिक्र कैसे?

वॉशिंगटन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से रूस के भीतर सैन्य हमलों के लिए स्टारलिंक सैटेलाइट संचार प्रणाली के इस्तेमाल की अनुमति दिलाने की अपील की है। इसके लिए उन्होंने ट्रंप से कहा कि वे एलन मस्क को इस उपयोग के लिए मंजूरी देने में मदद करें। हालांकि, ट्रंप ने इस अनुरोध पर कोई स्पष्ट सहमति नहीं दी।

क्यों बढ़ी स्टारलिंक की जरूरत?: रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन लगातार रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रहा है। ऐसे में जेलेंस्की अमेरिका के पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम पर निर्भरता कम करने के विकल्प तलाश रहे हैं। पैट्रियट इंटरसेप्टर की सीमित उपलब्धता और मौजूदा वैश्विक हालात के बीच यूक्रेन अब स्टारलिंक के जरिए अपनी लंबी दूरी की हमलावर क्षमता को और सटीक बनाना चाहता है।

ट्रंप से कब और कैसे की गई मांग?: बताया गया है कि जेलेंस्की ने इस सप्ताह वॉशिंगटन दौरे के दौरान व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में ट्रंप से मुलाकात के दौरान यह मुद्दा उठाया। इसके बाद उन्होंने कैपिटल हिल में अमेरिकी सांसदों से बातचीत के दौरान भी रूस के भीतर निशाने साधने के लिए स्टारलिंक के इस्तेमाल की जरूरत दोहराई। हालांकि, ट्रंप ने इस अनुरोध पर तत्काल कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई।

फिलहाल स्टारलिंक पर क्या हैं पाबंदियां?: एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स यूक्रेन को उसकी सीमा और रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी इलाकों में स्टारलिंक इस्तेमाल करने की अनुमति देती है। लेकिन रूस की सीमा के भीतर इस नेटवर्क के उपयोग पर प्रतिबंध बना हुआ है। जेलेंस्की पिछले कई हफ्तों से अमेरिकी अधिकारियों के सामने इस प्रतिबंध में ढील देने की मांग कर रहे हैं। व्हाइट हाउस, यूक्रेनी दूतावास और स्पेसएक्स की ओर से इस पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

क्या मस्क के लिए बढ़ सकता है जोखिम?: रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि रूस के भीतर स्टारलिंक के इस्तेमाल की मंजूरी दी जाती है, तो इससे एलन मस्क के लिए सुरक्षा जोखिम भी बढ़ सकते हैं। पहले सामने आई खुफिया रिपोर्टों में आशंका जताई गई थी कि रूस स्टारलिंक सैटेलाइट नेटवर्क को निशाना बनाने के लिए नई एंटी-सैटेलाइट तकनीक विकसित कर रहा है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

अमेरिकी सांसदों से भी की मदद की अपील: जेलेंस्की ने वॉशिंगटन दौरे के दौरान अमेरिकी सांसदों से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि स्टारलिंक तक दीर्घकालिक पहुंच मिलने से यूक्रेन की लंबी दूरी और मध्यम दूरी की हथियार प्रणालियां अधिक सटीक तरीके से लक्ष्य भेद सकेंगी। अमेरिकी सीनेटर माइक राउंड्स ने कहा कि यूक्रेन की प्राथमिकता अपने लक्ष्यों पर बिल्कुल सटीक हमला करना है और इसी वजह से स्टारलिंक की भूमिका अहम मानी जा रही है।

पैट्रियट मिसाइल लाइसेंस पर ट्रंप के बदले सुर: जेलेंस्की ने अमेरिका से पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम की अतिरिक्त आपूर्ति और यूक्रेन में इसके उत्पादन के लिए लाइसेंस देने की मांग भी दोहराई। हालांकि, ट्रंप ने हालिया बयान में संकेत दिए कि इस तकनीक के लाइसेंस पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि इस विषय पर चर्चा जारी है और इतनी उन्नत सैन्य तकनीक साझा करने का फैसला आसान नहीं है।

ईरान का मुद्दा भी उठाया: जेलेंस्की ने ट्रंप प्रशासन के सामने यह भी दावा किया कि रूस और ईरान के बीच सैन्य सहयोग बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के पास ऐसे सबूत हैं, जिनसे पता चलता है कि रूस ईरान को सैटेलाइट निगरानी के जरिए मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने में मदद कर रहा है। इसके साथ ही जेलेंस्की ने कहा कि ड्रोन युद्ध के अपने अनुभव के आधार पर यूक्रेन अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को ईरानी ड्रोन खतरों से निपटने में तकनीकी सहायता देने के लिए भी तैयार है।

माइकल डेल की वह एक पन्ने की रिपोर्ट, जिसने बदल दी उनकी जिंदगी और खड़ी कर दी अरबों की कंपनी

वॉशिंगटन। डेल कंपनी के फाउंडर और सीईओ माइकल डेल ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी जिंदगी से जुड़ा एक बहुत ही दिलचस्प किस्सा शेयर किया है। उन्होंने अपनी कंपनी के शुरुआती दिनों का 42 साल पुराना एक फाइनेंशियल डॉक्यूमेंट शेयर किया है, जिसने उनकी पूरी जिंदगी की दिशा ही बदल दी थी।

पूरी बात को ऐसे समझिए कि 42 साल पहले, माइकल डेल यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास के अपने कॉलेज हॉस्टल के कमरे से कंप्यूटर अपग्रेड करने का बिजनेस चलाते थे। जब उनके माता-पिता ने उनके बिजनेस की तरक्की और कमाई का यह पहला पन्ना देखा, तो वे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने माइकल को कॉलेज वापस न जाने और अपने बिजनेस पर पूरा ध्यान देने की इजाजत दे दी।

डेल ने ऐसे जीता था अपन माता-पिता का विश्वास: माइकल डेल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि इस एक पन्ने ने मेरी जिंदगी बदल दी। आज से ठीक 42 साल पहले, इसी पन्ने ने मेरे माता-पिता को यह विश्वास दिला दिया था कि मुझे कॉलेज वापस नहीं जाना चाहिए।

डेल ने अपने पोस्ट में आगे लिखा कि मैंने एक हॉस्टल के कमरे से पीसी अपग्रेड करने की शुरुआत की थी और आज डेल कंपनी एज से लेकर दुनिया की सबसे बड़ी एआई फैक्ट्रियों तक को पावर देने वाला बुनियादी ढांचा तैयार करने में मदद कर रही है।

उस एक पन्ने में क्या था?: माइकल डेल द्वारा शेयर किए गए 31 जुलाई, 1984 को खत्म हुए तीन महीनों के स्टेटमेंट के मुताबिक उस दौरान उनकी कंपनी जो तब के नाम से जानी जाती थी ने महज तीन महीनों में लगभग 8.88 लाख डॉलर की कमाई की थी। इसमें से डेल का मुनाफा लगभग एक करोड़ तीस लाख रहा था।

हॉस्टल के कमरे से शुरू हुआ सफर: बता दें कि माइकल डेल ने साल 1984 में पढ़ाई के दौरान ही इसकी शुरुआत कर दी थी। शुरुआत में वे सीधे पूरा कंप्यूटर नहीं बनाते थे, बल्कि ग्राहकों की जरूरत के हिसाब से पुराने कंप्यूटरों में हार्ड ड्राइव और मेमोरी बढ़ाने का काम करते थे।

हालांकि रास्ता इतना आसान भी नहीं रहा। जैसे-जैसे बिजनेस बढ़ा, माइकल डेल ने दुकानदारों और डिस्ट्रीब्यूटरों के जरिए माल बेचने के बजाय सीधे ग्राहकों को कंप्यूटर बेचने का तरीका अपनाया। इसमें ग्राहक अपनी पसंद के पार्ट्स चुनकर कंप्यूटर कस्टमाइज करवा सकते थे।

बिना गोदाम के कैसे शुरू किया बिजनेस: अच्छा गौर करने वाली बात यह भी है कि इस मॉडल का सबसे बड़ा फायदा यह था कि डेल को पहले से बहुत सारे कंप्यूटर बनाकर गोदाम में रखने की जरूरत नहीं पड़ती थी। जब ग्राहक ऑर्डर देता था, तभी कंप्यूटर तैयार किया जाता था। इससे सामान के सड़ने या पुराना होने का खर्च बच गया और कम पैसों में तेजी से मुनाफा होने लगा।

हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के अनुसार, माइकल डेल का यह कदम उस समय के पीसी मार्केट के हिसाब से क्रांतिकारी था। कम संसाधनों और एक छोटे से हॉस्टल के कमरे से शुरू हुआ यह सफर यह साबित करता है कि छोटे-छोटे फैसले और सही समय पर लिया गया जोखिम आपकी पूरी जिंदगी और दुनिया की तस्वीर बदल सकता है।

माइकल डेल ने साल 1984 में पढ़ाई के दौरान ही इसकी शुरुआत कर दी थी। शुरुआत में वे सीधे पूरा कंप्यूटर नहीं बनाते थे, बल्कि ग्राहकों की जरूरत के हिसाब से पुराने कंप्यूटरों में हार्ड ड्राइव और मेमोरी बढ़ाने का काम करते थे।बिचौलियों को किया बाहर जैसे-जैसे बिजनेस बढ़ा, माइकल डेल ने दुकानदारों और डिस्ट्रीब्यूटरों के जरिए माल बेचने के बजाय सीधे ग्राहकों को कंप्यूटर बेचने का तरीका अपनाया। इसमें ग्राहक अपनी पसंद के पार्ट्स चुनकर कंप्यूटर कस्टमाइज़ (अपने हिसाब से तैयार) करवा सकते थे।बिना गोदाम के बिजनेस इस मॉडल का सबसे बड़ा फायदा यह था कि डेल को पहले से बहुत सारे कंप्यूटर बनाकर गोदाम में रखने की जरूरत नहीं पड़ती थी। जब ग्राहक ऑर्डर देता था, तभी कंप्यूटर तैयार किया जाता था। इससे सामान के सड़ने या पुराना होने का खर्च बच गया और कम पैसों में तेजी से मुनाफा होने लगा।इससे क्या सीख मिलती है?हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के अनुसार, माइकल डेल का यह कदम उस समय के पीसी मार्केट के हिसाब से क्रांतिकारी था।

बेमेतरा पुलिस की बड़ी सफलता : 13.70 लाख रुपये के चोरी के जेवरात व सामान बरामद, 5 आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा पुलिस ने चोरी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए 13 लाख 70 हजार रुपये मूल्य के चोरी गए सोने-चांदी के जेवरात, नगदी और अन्य सामान बरामद कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल (भा.पु.से.) के निर्देशन तथा दुर्ग रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री अभिषेक शांडिल्य (भा.पु.से.) की सतत मॉनिटरिंग में साइबर सेल और सिटी कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने की।पुलिस के अनुसार 22 जुलाई 2026 को वार्ड क्रमांक 12 सिंघौरी निवासी पवन शाह ने अपने घर में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अज्ञात चोरों ने देर रात घर का दरवाजा तोड़कर करीब 5.60 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और एक लाख रुपये नकद चोरी कर लिए थे। मामले में बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी त्रिलोक बंसल स्वयं घटनास्थल पहुंचे और डॉग स्क्वॉड तथा फॉरेंसिक टीम की सहायता से जांच कराई। इसके बाद सिटी कोतवाली और साइबर सेल की संयुक्त विशेष टीम गठित कर तकनीकी एवं पारंपरिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की गई।जांच के दौरान पुलिस ने अजय कुमार जैन, मोहम्मद सुमोन खान और राजेश निषाद को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिन्होंने चोरी की वारदात स्वीकार कर ली। पूछताछ में खुलासा हुआ कि चोरी के जेवरों का कुछ हिस्सा राजनांदगांव के एक ज्वेलर्स को बेच दिया गया था तथा अन्य जेवर श्श्रस्न स्मॉल फइनेंस बैंक में गिरवी रखकर गोल्ड लोन लिया गया था। चोरी की रकम से टीवी, मोबाइल सहित अन्य सामान भी खरीदा गया था।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, ताला काटने के औजार, बोरा उठाने के हुक, टीवी, मोबाइल, नगदी, गोल्ड प्लेज कार्ड, गोल्ड लोन दस्तावेज तथा चोरी के सोने-चांदी के जेवरात सहित कुल 13.70 लाख रुपये का मशरूका बरामद किया।इस मामले में अजय कुमार जैन, मोहम्मद सुमोन खान, राजेश निषाद, दिव्या बाई सांखला (जैन) तथा ज्वेलर्स संचालक आदित्य जैन को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की अतिरिक्त धाराएं भी जोड़ी हैं। तीन मुख्य आरोपियों को पुलिस रिमांड के बाद सोमवार को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में से चार के खिलाफपहले से चोरी, नकबजनी, आर्म्स एक्ट, जुआ और मारपीट सहित कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें अजय कुमार जैन पर लगभग 41, राजेश निषाद पर 33, मोहम्मद सुमोन खान पर 7 तथा दिव्या बाई सांखला पर 11 प्रकरण दर्ज बताए गए हैं।पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली निरीक्षक सोनल ग्वाला, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा सहित सिटी कोतवाली एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जगदलपुर में विहिप-बजरंग दल का प्रदर्शन, भगवा के अपमान पर फूंका सांसद पप्पू यादव का पुतला

जगदलपुर/मूक पत्रिका

संसद परिसर में भगवा वस्त्र पहनकर किए गए कथित प्रदर्शन के विरोध में रविवार को जगदलपुर में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सांसद पप्पू यादव का पुतला दहन कर विरोध जताया और इसे सनातन धर्म व संत परंपरा का अपमान बताया। नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए निकली रैली में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी के हाथों में विरोध के नारे लिखे तख्ती थे और वे ÷सनातन धर्म की जय÷ के नारे लगा रहे थे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि भगवा वस्त्र हमारे धर्म में त्याग और तपस्या का प्रतीक है। संत-महात्मा इसी वेश में समाज सेवा करते हैं। ऐसे में इसका राजनीतिक मंच पर उपहास करना गलत है। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष शंकर लाल गुप्ता ने कहा कि सनातन धर्म और भगवा हमारी पहचान है। इसका अपमान किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन हमेशा लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करेगा। जिला मंत्री नवीन देवांगन ने कहा कि आम जनता की धार्मिक भावनाओं का सम्मान होना चाहिए। जिला कोषाध्यक्ष सुरेंद्र तिवारी ने कहा कि भगवान श्रीराम और साधु-संतों के प्रति हमारी आस्था अटूट है। जिला संयोजक विष्णु ठाकुर ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल हमेशा धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए काम करते रहेंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सामाजिक सौहार्द बनाए रखें। इस दौरान शंकरलाल गुप्ता, नवीन देवांगन, सुरेन्द्र तिवारी, विष्णु ठाकुर,प्रेम चालकी, उमेश राठौर, घनश्याम नाग, प्रतीक गुरु, जगदीश ठाकुर, अजय सिंह, शत्रुघ्न, सूरज पटनायक, अनिल राजपूत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राज्य कर्मचारी संघ छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारियो की महगाई भत्ता सहित अन्य मांगो समाधान हेतू माननीय विष्णु देव साय जी मुख्यमंत्री छ. ग. शासन से की सौजन्य भेट

रायपुर /मूक पत्रिका

राज्य कर्मचारी संघ छत्तीसगढ़ प्रतिनिधि मंडल कर्मचारी अधिकारियो की महगाई भत्ता सहित अन्य मांगो समाधान हेतू माननीय विष्णु देव साय जी मुख्यमंत्री छ. ग. शासन से की सौजन्य भेट। प्रमुख रूप केंद्र के समान देय तिथि से मंहगाई भत्ता एवं चार स्तरीय वेतनमानकी मांग के लिए मुख्यमंत्री जी से प्रतिनिधि मंडल आजमुख्यमंत्री निवास शंकर नगर कार्यालय रायपुर में मुलाकात कर चर्चा किये ।संघ के कर्मचारी हित में केंद्र के समान देय तिथि जनवरी 2026से एरियर राशि सहित एवंमध्यप्रदेश के भांति छ गके कर्मचारी को संपूर्ण सेवाकाल में चार स्तरीय वेतनमान देने तथा स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत कुष्ठ कार्यक्रमकार्यरत एन. एम. ए. एवंपी. टी. को सभी नियमों कोशिथिल कर एक बार छूटदे कर पदोन्नति देने अन्य विभागों मे भी जैसे मांगो पर विस्तृत चर्चा कर मुख्यमंत्री जी को ज्ञापन दिए गए । माननीय मुख्यमंत्री जी ने सभी मांगो को शीघ्र पूरा करने का भरोसा दिए। प्रतिनिधि मंडल में अश्वनी चेलक प्रदेश अध्यक्ष,बोधीराम निषाद प्रदेश महामंत्री,खुमान सिंह ठाकुर प्रदेशउपाध्यक्ष, डॉ विनोद वर्माप्रदेश कोषाध्यक्ष, डी एनसाहू धमतरी जिलाध्यक्ष प्रमुख रूप से शामिल रहे।

पदोन्नति में देरी से बढ़ा असंतोष, पटवारी संघ ने सरकार से लगाई गुहार

मुख्य सचिव को भेजा ज्ञापन, वेतन विसंगति दूर करने और आरआई के रिक्त पद पदोन्नति से भरने की मांग

बीजापुर/मूक पत्रिका

प्रदेश में वर्षों से लंबित पदोन्नति और वेतन विसंगति को लेकर पटवारियों का असंतोष अब खुलकर सामने आने लगा है। राजस्व पटवारी संघ, जिला बीजापुर ने मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन के नाम कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर पदोन्नति प्रक्रिया तत्काल शुरू करने और वेतन निर्धारण में व्याप्त विसंगतियों का समाधान करने की मांग की है। संघ का कहना है कि समयबद्ध पदोन्नति व्यवस्था नहीं होने से कई पटवारी पूरी नौकरी एक ही पद पर बिताकर सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

संघ के ज्ञापन में कहा गया है कि लंबे समय से पदोन्नति प्रक्रिया लंबित होने के कारण कर्मचारियों का मनोबल प्रभावित हो रहा है। वेतन निर्धारण में मौजूद विसंगतियां भी असंतोष का बड़ा कारण बनी हुई हैं। इससे न केवल कर्मचारियों का उत्साह कम हो रहा है, बल्कि प्रशासनिक कार्यों की दक्षता पर भी असर पड़ रहा है। पटवारी संघ ने सरकार से मांग की है कि पदोन्नति के लिए स्पष्ट समय-सीमा तय की जाए और वर्षों से लंबित प्रक्रिया को बिना विलंब शुरू किया जाए, ताकि पात्र कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति का लाभ मिल सके।ज्ञापन में राजस्व निरीक्षक (आरआई) के पदों पर सीधी भर्ती समाप्त करने की मांग भी की गई है। संघ का कहना है कि आरआई के सभी रिक्त पद पटवारियों की पदोन्नति से भरे जाएं। इसके लिए भर्ती नियमों में संशोधन कर 50 प्रतिशत पद वरिष्ठता और 50 प्रतिशत पद विभागीय परीक्षा के आधार पर पदोन्नति का प्रावधान लागू किया जाए।

पटवारी संघ की प्रमुख मांगें

- पदोन्नति के लिए निश्चित समय-सीमा तय हो।
- आरआई के पदों पर सीधी भर्ती समाप्त की जाए।
- सभी रिक्त आरआई पद पदोन्नति से भरे जाएं।
- भर्ती नियम में संशोधन कर 50त्न पद वरिष्ठता और 50त्न पद विभागीय परीक्षा के आधार पर भरे जाएं।
- लंबित पदोन्नति प्रक्रिया तत्काल शुरू की जाए।
- वेतन निर्धारण की विसंगतियों का शीघ्र निराकरण किया जाए।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना से श्रमिक परिवारों के बच्चों को मिली बड़ी सौगात, जिले के 5 मेधावी छात्रों का प्रतिष्ठित स्कूलों में चयन

बीजापुर/मूक पत्रिका

आर्थिक तंगी अब मेधावी बच्चों की पढ़ाई में बाधा नहीं बनेगी। श्रमिक परिवारों के बच्चों को बेहतर शिक्षा से जोड़ने वाली अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के तहत बीजापुर जिले के पांच विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित निजी विद्यालयों में चयन हुआ है। चयनित बच्चों को अब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक सुविधाओं वाले स्कूलों में अध्ययन का अवसर मिलेगा। जिले के उसूर विकासखंड के ग्राम बसागुड़ा की छात्रा सान्वी संगम का चयन दिल्ली पब्लिक स्कूल, राजनांदगांव में हुआ है। वहीं भोपालपटनम के ग्राम गुल्लागुड़ा की छात्रा परिधि कावटी, बीजापुर विकासखंड के ग्राम सागमेटा के छात्र देवांश जनगम तथा ग्राम गुल्लागुड़ा की छात्रा निहारिका नीकुरी का चयन हम एकेडमी, जगदलपुर में हुआ है। इसके अलावा भैरमगढ़ विकासखंड के ग्राम छोटे गोगला के छात्र आदित्य कोरसा का चयन भी दिल्ली पब्लिक स्कूल, राजनांदगांव में हुआ है। चयनित विद्यार्थियों के अभिभावकों ने बताया कि वे श्रमिक परिवार से हैं और सीमित आय के कारण बच्चों को प्रतिष्ठित विद्यालयों में पढ़ाना संभव नहीं था। श्रम विभाग में पंजीयन के बाद अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना की जानकारी मिली और आवेदन करने पर बच्चों का चयन हो गया। इससे अब बच्चों को बेहतर शैक्षणिक माहौल और आधुनिक सुविधाओं के बीच पढ़ाई का अवसर मिलेगा। कलेक्टर विश्वदीप ने चयनित विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों से मुलाकात कर बच्चों को मेहनत और लगन से पढ़ाई करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही बेहतर भविष्य का सबसे मजबूत आधार है। कलेक्टर ने अभिभावकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी तथा चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान श्रम निरीक्षक सोपान कर्णेवार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जनपद पंचायत कुसमी को मिले नए प्रभारी सीईओ, मुन्ना लाल धुर्वे ने संभाला कार्यभार

कुसमी /मूक पत्रिका

दुर्गेश गुप्ता-। कलेक्टर लरामपुर-रामानुजगंज द्वारा जारी प्रशासनिक आदेश के तहत श्री मुन्ना लाल धुर्वे ने आज जनपद पंचायत कुसमी के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू की गई है और वे आगामी आदेश तक इस पद का दायित्व निभाएंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्री धुर्वे इससे पूर्व प्रभारी क्षेत्र संयोजक, कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में पदस्थ थे। प्रशासनिक व्यवस्था के तहत उन्हें जनपद पंचायत कुसमी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। आदेश के अनुसार उन्हें आवश्यक प्रशासनिक एवं वित्तीय अधिकार भी प्रदान किए गए हैं। पदभार ग्रहण करने के उपरांत जनपद पंचायत कुसमी की अध्यक्ष श्रीमती बसंती भगत, उपाध्यक्ष अशोक सोनी सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य गणमान्य नागरिकों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया तथा सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने विश्वास व्यक्त किया कि श्री मुन्ना लाल धुर्वे के नेतृत्व में जनपद पंचायत कुसमी में ग्रामीण विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होगा, विकास कार्यों में तेजी आएगी तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक और बेहतर तरीके से पहुंचेगा। नवनियुक्त प्रभारी सीईओ श्री धुर्वे ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए जनहित, पारदर्शिता एवं गुणवत्तापूर्ण विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही !

एक साल से फरार आरोपी को सारंगढ़ पुलिस ने कोरबा से दबोचा..

सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर एक लाख की ठगी

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

सरकारी स्कूल में चपरासी (प्यून) की नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक लाख रुपये की ठगी करने वाले फरार आरोपी को सारंगढ़ सिटी कोतवाली पुलिस ने कोरबा से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी करीब एक वर्ष से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था। गिरफ्तारी के बाद उसके कब्जे से ठगी की रकम में से 35 हजार रुपये, एक मोबाइल फोन और बैंक पासबुक जब्त की गई है।

सरकारी नौकरी का झांसा देकर की थी ठगी-पुलिस के अनुसार, कोरबा जिले के रजगामार निवासी महेश राम चौहान ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वर्ष 2019 में गौरीशंकर नारंग ने शासकीय स्कूल में प्यून की नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाकर उससे 1 लाख रुपये ले लिए। काफी समय बीत जाने के बाद भी न नौकरी मिली और न ही रकम वापस की गई। मामले की प्रारंभिक जांच रजगामार चौकी में की गई। इसके बाद जीरो एफआईआर दर्ज कर प्रकरण को मूल घटनास्थल थाना सिटी कोतवाली सारंगढ़ भेजा गया। सारंगढ़ पुलिस ने 6 मई 2025 को आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

एक साल से फरार था आरोपी-प्रकरण दर्ज होने के बाद से आरोपी लगातार फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निमिषा पाण्डेय तथा डीएसपी संतोषी ग्रेस के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश जारी रखी। आखिरकार उसे कोरबा से गिरफ्तार कर सारंगढ़ लाया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी गौरीशंकर नारंग (44 वर्ष), निवासी रजगामार, थाना बालकोनगर, जिला कोरबा ने महेश चौहान से नौकरी दिलाने के नाम पर रुपये लेने की बात स्वीकार की। पुलिस ने उसके कब्जे से 35 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन और बैंक पासबुक जब्त कर लिया। पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। मामले की आगे की जांच जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रमोद यादव, सहायक उपनिरीक्षक अंजान सिंह, पीएसआई चंचल नेहा चंद्राकर, आरक्षक योगेश, प्रमोद पटेल, गौतम जांगड़े, अरविंद सिदार तथा थाना सिटी कोतवाली के अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।